हरिभूमि
भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, सोमवार, 30 जून, 2025

12 बेटी तनिष्का शर्मा ने पंजाब में जमाई तोशाम की धाक

11 डॉ. अंचल व दलाल बने कष्ट निवारण समिति के सदस्य

SHEORAN HOSPITAL
श्योराण अस्पताल
डॉ. विजेता ग्रेवाल श्योराण
MBBS, MD (Medicine)
Ex-Senior Resident (Rheumatology)
RML Hospital, New Delhi
समय प्रात: 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक
●गठिया रोग
●जोड़ों में सुबह के समय अकड़न
●लूपस (एस.एल.ई.)
●लंबे समय से बुखार या जोड़ों में दर्द
●चिकनगुनिया बुखार के बाद जोड़ों में दर्द
●अंकाइलोसिंग स्पोन्डिलाइटिस
●नसों/जोड़ों में सूजन
●बच्चों के जोड़ों के दर्द
●चमड़ी रोग के साथ जोड़ों में दर्द
●आंखों तथा मुख में सूखापन
एक बेहतर स्वास्थ्य के लिए अभी फोन करें- 7056189390, 9350780749
पता-मिनी बाईपास रोड, S.K. Resort के पास भिवानी

खबर संक्षेप

कार की टक्कर से दंपति घायल, केस दर्ज

लोहारू। मनफरा रोड पर एक अज्ञात कार की टक्कर से विक्की पर सवार दंपत्ति के घायल होने का मामला प्रकाश में आया है। घायल राजबीर की शिकायत पर लोहारू थाना पुलिस ने अज्ञात कार चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज करके कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में पहाड़ी निवासी राजबीर ने बताया कि वह अपनी पत्नी के साथ ढिगावा घरेलू सामान खरीदने आए थे।

दमकोरा के घर से जेवरात चोरी, केस

लोहारू। उपमंडल के गांव दमकोरा निवासी एक व्यक्ति ने अपने घर में रंग रोगन करने वाले एक मजदूर पर लाखों रुपयों के जेवरात चोरी करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज करके मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में दमकोरा निवासी ओमप्रकाश ने बताया कि उसके घर में पिछले करीब 20-22 दिनों रंग रोगन का काम चल रहा था।

चौपाल निर्माण की जांच को सौंपा मांग पत्र

भिवानी। हल्का बवानीखेड़ा से विधायक कपूर सिंह वाल्मीकि के ढाणी हरीसिंह वार्ड नं. एक में पहुंचने पर ग्रामीण पूर्व पटवारी महाबीर वाल्मीकि ने मांग पत्र सौंपा। उन्होंने मांग पत्र सौंपते हुए बताया कि ब्ल्यू बर्ड ग्लोबल स्कूल गुजरानी से लेकर मुख्य गुजरानी भिवानी रोड़ तक बनाए गए बांध के साथ में मिट्टी लगाने जिससे की उसका कटाव न हो तथा वाल्मीकि धर्मशाला के निर्माण के लिए पूर्व राज्यमंत्री बिशंबर वाल्मीकि द्वारा जारी कि गई 14 लाख रूपये की ग्रांट राशि की सही लागत की जांच के लिए पत्र सौंपा।

प्रतिभा सम्मान समारोह 24 अगस्त को : वर्मा

भिवानी। समाज की प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने व अन्य युवाओं को भी विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट उपलब्धि हासिल करने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से स्वर्णकार सेवा परिषद द्वारा 24 अगस्त को प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा।

मोहित चौधरी के विभिन्न गांवों में दौरे एक को

भिवानी। लोकसभा क्षेत्र से सांसद चौ. धर्मबीर सिंह के सुपुत्र एवं युवा भाजपा नेता मोहित चौधरी द्वारा इन दिनों लोकसभा क्षेत्र के विभिन्न गांवों में जनसंपर्क अभियान चलाया हुआ है, जिसके तहत वे विभिन्न गांवों में ग्रामीणों को संबोधित कर ना केवल भाजपा सरकार की जनकल्याणी नीतियां बता रहे है, बल्कि ग्रामीणों की विभिन्न समस्याएं सुनकर उनका मौके पर ही निदान भी करवा रहे है।

बुकसेलर एवं स्टेशनर्स की कार्यकारिणी गठित

भिवानी। भिवानी बुकसेलर्स एवं स्टेशनर्स एसोसिएशन की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। एसोसिएशन के पुनः चुने गए प्रधान दीपक नहाडिया द्वारा संरक्षक एवं कार्यकारिणी सदस्यों की उपस्थिति में नए दायित्वों की घोषणा की गई। जिसमें रमेश सिंघल को संरक्षक, राजीव गर्ग व रमेश जोगपाल को उप प्रधान, विक्रम कौशिक को मुख्य सलाहकार, अतुल गुप्ता को सचिव, विपिन सैनी को सह सचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई।

सिंघानी की सड़कें लबालब, कपास, बाजार और ग्वार की फसल में होगा लाभ

बीस मिनट की वर्षा से मिली राहत बारिश से किसानों के खिले चेहरे

मौसम का मिजाज बदलते ही जमकर बसरे बदरा, मौसम हुआ सुहाना

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी/लोहारू/ढिगावा मंडी

पिछले कई दिनों से पड़ रही भीषण गर्मी के बीच रविवार दोपहर बाद जबरदस्त गर्मी के बाद बादलों ने जमकर पानी बरसाया। करीब 20 मिनट की बारिश ने गर्मी व उमस को छू मंतर कर दिया। लोगों को गर्मी से राहत मिली। वहीं तेज बारिश के चलते ढलान वाले इलाकों में जलभराव की स्थिति बनी,लेकिन पब्लिक हेल्थ विभाग द्वारा बारिश के दौरान पम्पसेट चलाए जाने के बाद शहर के लोगों को जल्द ही पानी की समस्या से छुटकारा मिल गया। भिवानी के अलावा बवानीखेड़ा, लोहारू के अलावा अन्य आसपास के इलाकों में जोरदार बारिश ने लोगों को गर्मी से राहत दिला दी। वहीं अच्छी बारिश से खरीफ की फसलों में अच्छा खासा फायदा होगा। बारिश के बाद किसानों के चेहरे खिल उठे। क्योंकि इस वक्त तेज बारिश के बाद फसलों में फुटाव बनेगा और बाद में उसकी औसतन पैदावार में अच्छी खासी बढौतरी होगी। फिलहाल हर कोई बारिश होने से उत्साहित है। दूसरी तरफ ढिगावा मंडी इलाके में दोपहर तक लोग गर्मी व उमस से खासे परेशान रहे,लेकिन दोपहर बाद दस मिनट की बारिश ने इलाके को पानी पानी कर दिया। खासकर कस्बा ढिगावा मंडी की सड़कें पानी से लबालब हो गई। वाहन चालकों को पानी से ही निकालकर अपने वाहनों को गंत्तव्य तक पहुंचना पड़ा। ढिगावा मंडी और ऐतिहासिक गांव सिंघानी में तो भारी वर्षा के बाद सड़कें ही डूब गई और लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। वर्षा के बाद कई जगहों पर लोगों को परेशानी हुई लेकिन साथ-साथ गर्मी से राहत भी मिली है। वर्षा होने के बाद किसानों के चेहरे पर मुस्कान देखी गई। पिछले कई दिनों से वर्षा न होने के कारण खेतों में मुरझा रही फसलों को रविवार को हुई वर्षा से संजीवनी मिली है। और क्षेत्र के लोग गर्मी और ह्यूमिडिटी से खासे परेशान थे आज दोपहर को हुई वर्षा से लोगों को काफी राहत मिली है।

ढिगावा मंडी। बारिश के पानी को चिर कर गंत्तव्य की ओर जाती एक कार व बारिश के पानी में पड़ती बूंदों के बाद उठते बुलबुले। फोटो : हरिभूमि

फसलों को मिलेगा लाभ

कृषि अधिकारी डॉक्टर चंद्रभान श्योराण ने बताया कि वर्षा से फसलों को बहुत लाभ मिलेगा क्योंकि काफी समय से वर्षा न होने के कारण फैसले मुरझा रही थी। अब उन फसलों को जीवनदान मिला है। इस समय हुई वर्षा कपास, ग्वार और बाजरे की फसल के लिए फायदेमंद है। किसानों को समय-समय पर खासकर कपास की फसल का निरीक्षण करना चाहिए। क्योंकि इस तरह के मौसम में कई तरह की बीमारियां फैलने का डर रहता है।

भिवानी। बारिश का छत से पतनाल से बहता पानी का दृश्य। फोटो : हरिभूमि

सिंघानी गांव में वर्षा से सड़कें डूबी

वहीं सिंघानी गांव में स्टेट हाईवे लोहारू सिवानी रोड का काफी बुरा हाल हो गया। स्थानीय लोगों के मुताबिक मात्र 10 मिनट की वर्षा में सड़कें पानी से लबालब भर गई और लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि कई बार यहां पर पानी भर जाने की शिकायतें की गई है लेकिन आज तक प्रशासन के कानों पर जूं तक नहीं रेंगी।

बारिश में गंदगी से हुई लोगों को परेशानी

संडे को स्वच्छता पर ग्रहण कई जगह लगे गंदगी के ढेर

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

- तेज हवा के झौंकों की वजह से कचरा उड़कर पहुंचा सड़कों पर बदबू से सांस लेना दूभर

रविवार को शहर की सफाई व्यवस्था पटरी से उतरी नजर आई। अनेक जगहों पर छोटे बड़े कचरे के ढेर लगे मिले। कचरे उठाने वाला वाहन न पहुंचने की वजह से कचरा हवा के तेज झौंके से सड़कों पर बिखरता रहा। जगह जगह पड़े कचरे के ढेर स्वच्छता को मुंह चिढा रहे थे। सुबह से लेकर शाम तक इसी तरह की स्थिति बनी रही। वैसे तो रोजाना कचरा उठाने वाला पहुंचता है,पर संडे को शहर के रिंग रोड व उसके साथ लगती कॉलोनियों में कचरा ज्यौं का त्यों पड़ा है। जिस जगह लोग रोजाना कचरा डालते है। उसी जगह आज सुबह से लेकर शाम तक कचरे का ढेर लगा रहा। रोजाना कचरे के ढेर को उठाने के लिए लोडर व ट्रैक्टर ट्राली पहुंचते है,लेकिन आज अंदरूनी शहर की सड़कों को छोड़ कर बाकी किसी भी जगह से कचरा का उठान नहीं किया गया। लोग उसी ढेर पर पूरे दिन कचरे से भरी थैलियां फेंकते रहे। दोपहर बाद तेज हवा चली तो कचरे ने पंख फैलाने आरंभ कर दिए। तेज हवा के साथ उड़कर कचरा दूर दूर तक सड़कों पर फैलता रहा। आने जाने वाले वाहनों के पहियों के नीचे आता रहा।हवा के झौंकों से कभी किसी तरफ तो कभी किसी तरफ कचरा उड़ता रहा। शाम के वक्त जब हवा ने अपनी गति को विराम दिया तो कचरा भी थोड़ा सा शांत रहा। पर कचरा न उठाने की वजह से ढेर बढ़ता गया। अगर कचरा सोमवार को नहीं उठाया गया तो यह लोगों के लिए परेशानी का कारण बन सकता है। यहां यह बताते चले कि शहर का कचरा उठाने का जिम्मेदारी एक कम्पनी को दी हुई है। कम्पनी रोजाना उठाती है,लेकिन आज संडे को कम्पनी के लोडर व ट्रैक्टर शहर के अंदरूनी हिस्सों की तरफ तो गए,लेकिन सरकूलर रोड के आसपास उनके ट्रैक्टर व लोडर नहीं पहुंचे। जिसके चलते शहर के बाहरी इलाकों में करीब दो से ढाई दर्जन जगहों पर कचरे के ढेर लगे रहे। रोजाना कचरे के ढेर को उठाने के लिए लोडर व ट्रैक्टर ट्राली पहुंचते है,लेकिन आज अंदरूनी शहर की सड़कों को छोड़ कर बाकी किसी भी जगह से कचरा का उठान नहीं किया गया। लोग उसी ढेर पर पूरे दिन कचरे से भरी थैलियां फेंकते रहे। दोपहर बाद तेज हवा चली तो कचरे ने पंख फैलाने आरंभ कर दिए। तेज हवा के साथ उड़कर कचरा दूर दूर तक सड़कों पर फैलता रहा।

स्वच्छता पर दाग लगा रहे हैं गंदगी के ढेर

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

- ग्रामीणों ने उठाई सफाई करवाने की मांग

जीवन में सफाई का बहुत महत्व है। स्वच्छता बहुत ही बीमरियों का नाशक होती है। आमजन को स्वच्छता अपनाने के प्रति जागरूक करने के लिए केंद्र व राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर जागरूकता अभियान चलाए जाते है। लेकिन इसके बावजूद भी गांव हेतमपुरा में इन दिनों गंदगी का आलम छाया हुआ है। ग्रामीणों ने बताया कि गांव में एक सार्वजनक जगह जहां सेठों ने वर्ष 1984 में एक धर्मशाला के रूप में इस्तेमात करने हेतु जगह छोड़ रखी है। इस जगह पर वर्ष 2011 से एक संत श्री 1008 रसिक मोहन दास मानव सेवा आश्रम चल रहा है तथा यहां पर भगवान के भजन, कीतन व धार्मिक आयोजन होते रहते है। यही नहीं पीने के पानी व पशुओं के पीने के पानी के लिए दो ट्यूवैल भी पिछले 80 वर्ष से चल रहे है। यहां ग्राम पंचायत हेतमपुरा ने पेड़ों के नीचे सार्वजनिक चबूतरे भी बना रखे है, पहले यहां ग्राम पंचायत नियमित सफाई व्यवस्था करवाती रही है, लेकिन अब यह स्थान गंदगी के ढ़ेर से अटा पड़ा है। जिसके चलते यहां पर हमेशा मच्छरों की भरमार व दुर्गंध का माहौल रहता है तथा यहां फैली गंदगी गांव की तस्वीर एकदम बिगा रही है। लेकिन इसके बावजूद भी अब ग्राम पंचायत इसकी सूध नहीं ले रही तथा ना ही यहां कोई सफाई कर्मचारी तैनात है, जिसके चलतजे कूड़ा-कचरा व गोबर डालने वालों को ग्राम पंचायत द्वारा रोका नहीं जा रहा है।

मानसून की दस्तक, आधे घंटे तक जमकर बरसे बदरा

- 10 एमएम से अधिक बरसात, शहर की चौराहे हुए जलमग्न

हरिभूमि न्यूज ⏭लोहारू

लोहारू और आसपास के इलाके में रविवार सायं मानसून की दस्तक हुई और दोपहर बाद सांय करीब तीन बजे बाद आधे घंटे तक झमाझम बरसात हुई। इस बरसात ने जहां लोगों को पिछले एक सप्ताह से पड़ रही उमस भरी गर्मी से राहत प्रदान की वहीं शहर के अनेक चौराहे और निचले इलाके जलमग्न हो गए। आधे घंटे के दौरान इलाके में करीब दस एमएम से अधिक बरसात मानी जा रही है। बता दें कि पिछले करीब एक सप्ताह से इलाके लोग उमस भरी गर्मी से परेशान थे और दिन के समय कूलरों ने भी जवाब दे रखा था। पिछले दो दिनों से इलाके में घने काले बादल छाने के बाद इलाके के लोगों को मानसून की बरसात शुरू होने की उम्मीद जगने लगी थी। रविवार दोपहर तीन बजे के बाद लोहारू और आसपास के इलाके में आसमान को घनघोर घटाओं ने घेर लिया और झमाझम बरसात का दौर शुरू हो गया। करीब आधे घंटे तक हुई यह बरसात आंकड़ों के हिसाब से दस एमएम से अधिक मानी जा रही है। बरसात के कारण शहर के चौ देवीलाल चौक, सात नं. चुंगी चौक और रेस्ट हाउस के सामने और पुराना शहर के माता चौक सहित कई निचले इलाकों में बरसाती पानी जमा हो गया। राष्ट्रीय राजमार्ग मार्ग संख्या 709ई पर चौ देवीलाल चौक, सात नं. चुंगी चौक और राजकीय महाविद्यालय के सामने बरसाती पानी जमा हो गया तथा दुपहिया वाहन चालकों व पहल राहगीरों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। इस बरसात ने लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत जरूर प्रदान की है वहीं यह बरसात बाजरा व कपास आदि फसल के लिए भी काफी उपयोगी बताई जा रही है। उधर बरसाती सीजन को ध्यान में रखते हुए नगर पालिका प्रशासन ने भी बरसाती पानी के निकास के लिए शहर के नालों की सफाई करवाई है। बावजूद इसके लोगों ने नगर पालिका प्रशासन से शहर की जल निकासी व्यवस्था को और अधिक दुरुस्त करने की मांग की है ताकि आगामी मानसून सीजन में लोगों को जलभराव की समस्या का सामना नही करने पड़े।

लोहारू। बारिश के जमा पानी से गुजरता एक बाइक चालक व कस्बे की सड़कों पर जमा बारिश के पानी का दृश्य। फोटो : हरिभूमि

भिवानी। पदक विजेता को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

सात समंदर पार जाकर आशीष चौधरी ने ऑस्ट्रेलिया में जीता गोल्ड

- भिवानी पहुंचने पर आशीष का हुआ भव्य स्वागत

भिवानी। खेल नगरी कहे जाने वाले भिवानी के शूटर आशीष चौधरी ने ऑस्ट्रेलिया में गोल्ड मेडल जीत कर देश का नाम रोशन किया है। कोच का कहना है कि आशीष के लिए ऑस्ट्रेलिया दरवाज़े खोलेगा, पर आशीष देश के लिए ही खेलना चाहता है। खेल नगरी भिवानी को मिनी क्यूबा के नाम से जाना जाता है। यहाँ के बॉक्सरों के मुक्के की धमक पूरी दुनिया में सुनाई देती है। पर अब यहां के शूटर भी सात समंदर पार देश का नाम रोशन कर रहे हैं। इसमें एक नाम जुड़ा है आशीष चौधरी का। आशीष ने हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के पार्थ में आयोजित 12 से 21 वर्ष आयु वर्ग की जूनियर ऑप्शन शूटिंग चैंपियनशिप में भाग लिया और गोल्ड मेडल जीता। गोल्ड बॉय बने आशीष चौधरी का भिवानी में उनकी लक्ष्य शूटिंग एकेडमी में पहुंचने पर भव्य स्वागत हुआ।

संत कंवर साहेब जी महाराज ने सत्संग में बांधा समां

सत्संग भी तभी सुहाता है जब तन-मन में शांति

- भक्ति के लिए वातावरण भी सुखद होना चाहिए। वातावरण में बाहरी चीजें ही नहीं बल्कि आंतरिक शांति भी शामिल है

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

सत्संग भी तभी सुहाता है जब तन और मन में शांति हो। भक्ति के लिए वातावरण भी सुखद होना चाहिए। वातावरण में बाहरी चीजें ही नहीं बल्कि आंतरिक शांति भी शामिल है। यह सत्संग वचन परमसंत सतगुरु कंवर साहेब जी महाराज ने दिनोद गांव में स्थित राधास्वामी आश्रम में साध संगत के समक्ष फरमाए। हुजूर कंवर साहेब ने फरमाया कि संतो की बानी को सुनकर उसका चिंतन और मनन किया जाना चाहिए क्योंकि ये अनुभव की बानी है।संतो के दरबार में बारम्बार जाना चाहिए क्योंकि इससे आपका अभ्यास बनेगा और जगत जाल की भूल नहीं पड़ेगी। उन्होंने कहा कि माया भक्ति से मोह भंग करती है।काल हमेशा घात लगाए बैठा है। जो जीव इस संसारी जेल से निकल कर सतगुरु सतनाम और सत्संग की तरफ चलता है तो काल उसे अनेकों प्रलोभन देता है।ये प्रलोभन आपको भक्ति से विमुख करेंगे। इस विमुखता को हम संत के बार बार दर्शन से और उनके संग को बार बार करने से टाल सकते हैं। गुरु महाराज ने कहा कि सतगुरु का मार्ग कल्याण का मार्ग है। सतगुरु परहित और परमार्थ का मार्ग सुझाता है। सतगुरु प्रभु भक्ति के रूप में आपको मूल्यवान वस्तु प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि कलयुग में नाम बिना उद्धार नहीं है। बिना नाम के मन की मलिन वासना नहीं हटेगी। दुनियादारी में रहते हुए भक्ति रस केवल नाम भक्ति से ही संभव है।

भिवानी। गांव दिनोद आश्रम में प्रवचन देते संत कंवर साहेब। फोटो : हरिभूमि

छल-कपट से दूर रहने के लिए किया प्रेरित

उन्होंने कहा कि धोखा छल कपट की कमाई दौलत जाएगी भी ऐसे ही लेकिन हक हलाल की कमाई आपको सब्र संतोष और शांति देगी। उन्होंने कहा कि गृहस्थ धर्म का पालन करो,हक हलाल की कमाई खाओ,नेकी करो,दया धारों और धर्म के पक्के रहो। मेहनत करो आपको सबकुछ मिलेगा। इंसानी यौनी में आए हो तो इंसानियत का धर्म निभाओ। हिम्मत रखो क्योंकि हिम्मत का तो राम भी हिमायती है।

सावन की मस्ती

सावन माह शुरू होने जा रहा है। सावन की मस्ती से भला कौन वाकिफ नहीं। रिमझिम के दौरान युवाओं के अलावा बच्चे भी घरों की छतों पर या गलियों में अक्सर उछल-कूद करते हुए देखे जा सकते हैं। गलियों में पानी भर जाने पर कागज की किश्ती बनाकर उसे तैराना हर किसी के जीवन का खास यादगार पल होता है। किशोरों की टोलियों को बरसात में भीगना, एक-दूसरे को भिगौना खूब सुहाता है। ऐसे में बड़े-बुजुर्ग और महिलाएं अक्सर गुलगुले-पकौडे.आदि पकवान का स्वाद लेते हैं।

चौमासे में गुलगुले-घेवर की खुशबू से महकेंगी गलियां

प्रदेश में सावन के महीने में सरसों के तेल का सेवन सेहत के लिए उत्तम माना जाता है। इसलिए आज भी गांव-देहात में सावन के महीने में गुलगुले और सुहाली बनाकर खाए जाते हैं। एक समय ऐसा भी था, जब बारिश होते ही सभी घरों में कढ़ाइयां चढ़ जाती थी और सरसों के तेल में मीठे आटे से गुलगुले और सुहालियां बनाई जाती थी। कोथली के लिए और घरों में खाने के लिए आजकल बाजारू चीजों को वैरियता दी जाने लगी है। अब बारिश के मौसम में गुलगुले व सुहाली भी कम ही बनने लगे हैं।

चातुर्मास

राज कुमार नरवाल

चौमासा शुरू हो गया है। बारिश का मौसम आ गया है। अब हमारा रहन सहन, खान-पान और पहनावा बदल जाएगा। हमारे पूर्वजों ने ऋतुओं के हिसाब से ही हमारी परंपराएं व रीति-रिवाज बनाए थे। हमारे पूर्वजों के बनाए इन नियमों पर चलते हुए हम अपने आप को स्वस्थ रख सकते हैं। झुलसाने वाली ज्येष्ठ महीने की गर्मी के बाद आषाढ़ महीना चल रहा है। 11 जुलाई से सावन का महीना शुरू हो जाएगा। बरसात के इस मौसम में हमें क्या खाना चाहिए और क्या नहीं खाना चाहिए, हमारे पूर्वजों ने हमारे लिए नियम तय किए थे। सबसे पहले बात करते हैं कि चौमासा होता क्या है?

हरियाणा में 'चौमासा' शब्द का उपयोग वर्षा ऋतु के चार महीनों (आषाढ़, श्रावण, भाद्रपद और आश्विन) के लिए किया जाता है। इसे चातुर्मास भी कहा जाता है। इस दौरान, शुभ और मांगलिक कार्यों को करना शुभ नहीं माना जाता है। चातुर्मास चार महीनों (120 दिन) का होता है, जो आषाढ़ मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी (देवशयनी एकादशी) से शुरू होता है और कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी (देवउठनी एकादशी) तक चलता है। इन चार मास में हमारा खान-पान और रहन सहन बदल जाते हैं। इस दौरान कुछ त्योहार भी आते हैं। इन त्योहारों को धूमधाम से मनाया जाता है। चौमासा शुरू होते ही हमारे गांवों की गलियां गुलगुले, सुहाली और घेवर की खुशबू से महकने लगती हैं। चौमासा शुरू होते ही शहरों और गांवों में अभी से ही घेवर बनना शुरू हो गया है। सावन का महीना शुरू होते ही बरसात के मौसम में बनाए जाने वाले पकवानों की महक और बढ़ जाएगी।

गुलगुले और सावन का खास मेल

गुलगुले-सुहाली और सावन के महीने का खास मेल है। हरियाणा प्रदेश में सावन के महीने में सरसों के तेल का सेवन सेहत के लिए उत्तम माना जाता है। इसलिए आज भी गांव-देहात में सावन के महीने में गुलगुले और सुहाली बनाकर खाए जाते हैं। एक जमाना ऐसा भी था, जब बारिश होते ही सभी घरों में कढ़ाइयां चढ़ जाती थी और सरसों के तेल में मीठे आटे से गुलगुले और सुहालियां बनाई जाती थी। कोथली के लिए और घरों में खाने के लिए आजकल बाजारू चीजों को वैरियता दी जाने लगी है। पहले की बजाए अब बारिश के मौसम में गुलगुले व सुहाली भी कम ही बनने लगे हैं।

भाई-बहन के रिश्ते को मजबूत बनाती है सावन की कोथली

हरियाणा में महिलाओं के मान-सम्मान से जुड़े कई ऐसे रीति रिवाज हैं, जो आज भी गांव-देहात में प्रचलित हैं। यहां सावन के महीने में भाई अपनी बहन को कोथली देने जाता है। इसमें वह उसके कपड़े, गुलगुले, सुहाली, घेवर, पतासे व फल आदि लेकर जाता है।

बहनों को सावन में अपने भाइयों का बेसब्री से इंतजार रहता है, कि कब भाई आए और वह अपने आस-पड़ोस व परिवार को बताए कि उसका भाई उसकी कोथली लेकर आया है। महिलाएं कोथली में आए सामान को आस-पड़ोस में बड़े चाव से बांटती हैं। लेकिन कोथली का यह रिवाज अब आधुनिकता की भेंट चढ़ता जा रहा है। बहन-भाई के रिश्ते अब पहले जितने प्रगाढ़ नहीं रहे, जिस वजह से अब बहुत से भाई अपनी बहन की कोथली देने नहीं जाते।

किसी जमाने में जो भाई अपनी बहन की कोथली नहीं देने जाता था, उसे समाज में हीन भावना से देखा जाता था और समाज के डर से नाराजगी में भी वह अपनी बहन की कोथली देने जाता था। बहन व भाई नाराज हो जाते थे तो सावन के महीने में भाई कोथली लेकर बहन के घर पहुंचता तो सारे गिले-शिकवे दूर हो जाते थे। कोथली एक ऐसा रिवाज है, जिससे बहन और भाई का रिश्ता और मजबूत बनता है। मगर अब वह पहले जैसी बात नहीं रही। अब रिश्तों की मिठास कम होती जा रही है। सावन में कोथली यदि लेट हो जाती तो महिलाएं गीतों के माध्यम से उलाहने देना शुरू कर देती थी। एक गीत में एक महिला ने किसी जमाने में उलाहना देते हुए यह गीत गाया था कि-

नीमों के निंबोली लागी सामणिया कद आवैगा,
मरियो ए बसंता नाई मेरी कोथली कब लावैगा।

पुराने जमाने में यदि भाई को समय नहीं होता तो नाई को कोथली देने भेज देते थे। इसलिए इस गीत में नाई का जिक्र है। एक महिला का भाई नहीं था, जिसने गीत के माध्यम से कोथली न पहुंचने की पीड़ा अपनी सास के साथ इस प्रकार जाहिर की थी

ऐरी सासड़ तीजां का बड़ा त्योहार
मेरा कोन्या मां का जाया बीर,
मेरी कोथली कोण पहुंचावैगा।

सावन माह में सिंधारा

शादी के बाद जब पहला सावन आता है तो सावन के महीने में लड़की अपनी ससुराल में नहीं रहती। वह अपने मायके चली जाती है। इस दौरान नवविवाहिता का ससुर सिंधारा लेकर बेटे की ससुराल पहुंचता है। इस सिंधारे में भी कोथली वाला ही सामान होता है। यह भी ऐसी परंपरा है, जिससे रिश्तों को मजबूती मिलती है।

बहन के घर देते हैं सिधा

होली, दीपावली और मकर सक्रांति आदि त्योहारों पर भाई अपनी बहनों के पास सूट, फल, मिठाई और घी आदि लेकर जाते हैं। भाई को त्योहार पर अपने घर देखकर बहन बहुत खुश होती हैं। अपने दुख-सुख सांझा करती हैं और यदि बहन की आर्थिक स्थिति कमजोर हो तो भाई जो सामान लेकर पहुंचता है उससे परिवार का त्योहार अच्छे तरीके से मन जाता है।

तीज का त्योहार

हरियाणा प्रदेश में वर्षा ऋतु (मानसून) के आगमन पर तीज का त्योहार सबसे पहले आता है, जो जुलाई या अगस्त में पड़ता है। कहा भी जाता है कि आई तीज, बिखेरगी बीज अर्थात तीज पर्व से त्योहारों का आगमन प्रारंभ हो जाता है। यह त्योहार पार्वती और भगवान शिव के प्रेम का प्रतीक है और हरियाली तीज के नाम से भी जाना जाता है। महिलाएं इस दिन हरे रंग के कपड़े पहनती हैं और रंग-बिरंगी चूड़ियां पहनती हैं।

धार्मिक मान्यता

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस दौरान भगवान विष्णु योग निद्रा में चले जाते हैं और भगवान शिव सृष्टि का संचालन करते हैं। चातुर्मास के दौरान, विवाह, गृह प्रवेश, सगाई जैसे शुभ और मांगलिक कार्य नहीं किए जाते हैं। यह समय पूजा-पाठ, जप, ध्यान, और आत्म-चिंतन के लिए उत्तम माना जाता है। चातुर्मास में, कुछ लोग जमीन पर सोते हैं, शाकाहारी भोजन करते हैं, और कुछ विशेष वस्तुओं जैसे कि गुड़, तेल, दूध, दही, बैंगन, शाकपत्र आदि का सेवन नहीं करते हैं।

गोगा नवमी का त्योहार

यह त्योहार भाद्रपद महीने में मनाया जाता है। यह त्योहार गोगा वीर (एक लोक देवता) को समर्पित है, जो सांपों के देवता के रूप में भी जाने जाते हैं। इस दिन, लोग गोगा वीर की पूजा करते हैं और सांपों से सुरक्षा के लिए प्रार्थना करते हैं।

लोकगीत और नृत्य

बारिश के मौसम में, हरियाणा में लोकगीत और नृत्य का विशेष महत्व है। लोग पारंपरिक वाद्ययंत्रों के साथ गाते और नाचते हैं, जो बारिश और फसल के मौसम का जश्न मनाते हैं।

चौमासा फसल के लिए खास

खरीफ की फसल के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है। यह समय किसानों के लिए भी महत्वपूर्ण होता है, और वे इस दौरान अपने खेतों में काम करते हैं। बारिश का मौसम हरियाणा के किसानों के लिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह फसल उगाने का समय होता है। इस दौरान, किसान खेतों में काम करते हैं और फसल की अच्छी पैदावार के लिए प्रार्थना करते हैं।

इस मौसम में खान-पान का विशेष ध्यान रखना जरूरी

- बारिश के मौसम में हरी पत्तेदार सब्जियां नहीं खानी चाहिए। क्योंकि इनमें बैक्टिरिया और किटाणुओं से संक्रमित होने का खतरा बना रहता है। पत्तों के बीच में कीड़े मिलने की संभावना बनी रहती है।
- लौकी, करेला और तोरई का सेवन करना : चाहिए।
- दूध और दूध से बने उत्पाद जैसे दही, छाछ व पनीर सीमित मात्रा में प्रयोग करना चाहिए।
- मांस, मछली और अंडे तामसिक भोजन में आते हैं, ये पाचन तंत्र को प्रभावित करते हैं, इसलिए चौमासा में इनका सेवन करने से बचना चाहिए।
- बैंगन में भी कीड़े होने की संभावना बनी रहती है, इसलिए बैंगन नहीं खाना चाहिए।
- धार्मिक मान्यताओं में भाद्रपद महीने में तो दही का सेवन वर्जित माना गया है।
- मूंग, मसूर और अरहर की दाल का सेवन करना चाहिए।
- मौसमी फल जो शरीर को विटामिन और खनिज प्रदान करते हैं, ऐसे फलों का सेवन करना चाहिए।
- संभव हो तो चौमासे में दिन में केवल एक बार ही भोजना करना चाहिए। रात को हल्का भोजन या फल खाना चाहिए। पर्याप्त मात्रा में पानी पीना चाहिए। भोजन को साफ़ और स्वच्छ वातावरण में बनाना चाहिए।
- चौमासा के दौरान, स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखना चाहिए।
- यदि कोई व्यक्ति किसी बीमारी से पीड़ित है, तो उसे डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए कि उसे क्या खाना चाहिए और क्या नहीं खाना चाहिए।

रागनी | **डा. रणबीर सिंह दहिया**

निकम्मा घना सै करतार

सोलां सोमवार के ब्रत राखे मिल्या नहीं सही भरतार
दुख की छाया ढली कोण्या निकम्मा घना सै करतार

बालकपन तैं चाहया करती मन चाहया भरतार मिलै
बराबर की इंसान समझै ठीक ठाक सा घर बार मिलै
उठते बैठते सोच्या करती बढ़िया सा मनै परिवार मिलै
मेरे मन की बात समझले नहीं घणा वो थानेदार मिलै
इसकी खात्तर मन्नत मानी चढ़ावे चढ़ाए मनै बेसुमार
दुख की छाया ढली कोण्या निकम्मा घणा सै करतार

मेरी सहेली नै ब्याह ताहिं एक खास भेद बताया था
सोलां सोमवार के ब्रत करिये मेरे को समझाया था
बोली मनचाहया वर मिलै जिसनै यो प्रण पुगाया था
मनै पूरे नेग जोग करे एक बी सोमवार ना उकाया था
बाट देखै बढ़िया बटेऊ की यो म्हारा पूरा ए परिवार
दुख की छाया ढली कोण्या निकम्मा घणा सै करतार

कई जोड़ी जूती टूटगी फेर जाकै नै यो करतार पाया
पहलम तै बोले बहु चाहिए ना चाहिए सै धन माया
ब्याह पाछै घणे ताने मारे छोरा बिना कार के खंदाया
सपने सारे टूटगे मेरे बेबे सोमवार ब्रत काम ना आया
पशु बरगा बरतावा सै ना करै माणस बरगा व्यवहार
दुख की छाया ढली कोण्या निकम्मा घणा सै करतार

ये तो पाखण्ड सारे पाये ना भरोसा रहया भगवान मैं
उसकी ठीक गलत सारी पुगायी ना दया उस इंसान मैं
फेर क्यों बोले पाछले मैं कमी रही भक्ति तनै पुगाण मैं
आंधा बहरा राम जी भी नही आया पिटती छुड़ाण मैं
कहै रणबीर बरोने आला आज पाखंडाँ की भरमार
दुख की छाया ढली कोण्या निकम्मा घणा सै करतार

कविता | **राजपाल सिंह गुलिया**

मजबूरी का मोल नहीं सै

मजबूरी का मोल नहीं सै, कहते आए लोग सयाणे।
देखे हमने अकल बिना भी, इस दुनिया में ऊँट उभाणे ॥

टोटा बैरी मजबूरी म्हँ, जिब चूँट-चूँट कै खावै सै।
लाचारी हो पर्वत तैं भारी, कुछ ना पार बसावै सै।
आग बलै ना अगर पेट म्हँ, तै कोण कमावण जावै से।
मजबूरी या प्यार घणा हो, ना तै कोण किसे कै खावै सै।
कोण अपणा भेद बतावै से, बिना जाणे और पिछाणे ॥

घणा कसूता काम देख ल्यो, माणस जिब मजबूर हों सैं।
कुछ तै फाँसी खा कै मरज्या, कुछ नशे म्हँ ए चूर हों सैं।
दर्द कसूता हो सै जिब, नूँह आंगलियाँ तैं दूर हों सैं।
वो भी हमने पिटते देख्ये, जिनके ..नाहीं कसूर हों सै।
इब वोहे लोग .मसूर .हों, जो गावैं सैं भूंडे गाणे।

जिनके .देख्ये छो आवै सै, उनतै करणे सलाम पड़ैं सैं
दो धेले के माणस तैं भी, कदे जरूरी काम पड़ैं सैं।
लुक-छुप .कै .जो काम करे, मानने सरेआम पड़ैं सैं।
शौक और मजबूरी म्हँ तैं, देणे दूणे दाम पड़ैं सैं।
ज्यूँ आँधी म्हँ आम झड़ैं सैं, लागे न्यू ये दाम बिराणे ॥

किसै की घणी किसै की थोडी, सबकी ए मजबूरी हो सै।
वो भी फिरैं हाँडते मिरगा, जिन धोरै कस्तूरी हो सै।
दिल अपणे नै डाट बावले, यो भी भोत जरूरी हो सै।
सभ के मन की इच्छा बोलो, किसकी किसतैं पूरी हों सैं।
राजपाल गुलिया कहता, थम, भी बणो आंध्यां म्हं काणे ॥

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

कार्यकाल | अंग्रेजों ने बदले की भावना से विशाल झज्जर रियासत को 54 वर्षों बाद ही 1858 में मात्र एक तहसील बना दिया था

बेहद रोचक इतिहास है रियासत झज्जर का

झरोखा | **यशपाल गुलिया**

अंग्रेजों ने बदले की भावना से विशाल झज्जर रियासत को मात्र एक तहसील बना डाला था। पाठ्य सामग्री के अभाव के कारण झज्जर के इतिहास बारे ज्यादातर नागरिक आज तक अनभिज्ञ ही हैं। केवल झज्जर के अन्तिम नवाब के विषय में ही जाना जाता है, जबकि सन 1804 में झज्जर के एक रियासत बनने से पहले भी यह एक शासकीय दस्तूर / परगना रहा था जिस पर विभिन्न प्रशासक नियुक्त रहे थे।

झज्जर नगर की स्थापना वर्ष 1200 के आसपास भोजू जाट द्वारा की गई थी। उसके बाद नव स्थापित बस्ती ने तीव्र गति से विस्तार किया तथा सुदूर क्षेत्र अफगानिस्तान तक के नागरिक यहां आकर आबाद होने लग गए। एक दो शताब्दी के बाद यहां क्रमशः तीन बाह्य कबीलों का वर्चस्व कायम रहा। इनमें बहिस्ति कबीला, फिर पठान कबीला तथा बादशाह जहांगीर के काल में कलाल कबीले का नियन्त्रण रहा। उसके बाद दिल्ली दरबार से झज्जर पर विधिवत प्रशासक नियुक्त किए जाने लगे। इस तरह झज्जर का रूतबा एक दस्तूर स्तर का बन गया जिसके अन्तर्गत चार परगने झज्जर खास, दादरी तोए, मान्डोटी तथा बेरी दुबलधन आते थे। 16वीं शताब्दी से ही दिल्ली बादशाह के वजीर को झज्जर क्षेत्र जागीर के तौर पर प्रदान किया जाने लगा था। उस प्रचलन में विभिन्न प्रशासक नियुक्त किए गए थे। इनमें आकिल खां पठान, मीर मुश्तजा खां ईरानी, नजफ कुली खां, बेगम समरू, जार्ज थामस, फरुख नगर नवाब तथा भरतपुर राजा आदि के नाम शामिल हैं।

शाही वजीर सफदरजंग द्वारा नियुक्त मुरतजा खां ईरानी ने 1750 में झज्जर में एक किला बनाया था, जिसको गढ़ी पुकारा जाता था। यह पुराने थाने वाले स्थान पर था। उसके बाद लगभग 10 वर्षों तक फरूखनगर व झज्जर पर भरतपुर शासकों ने बलात कब्जा करके खुशहाल राय व राम किशन आदि यहां के प्रशासक नियुक्त किए थे। आश्चर्यजनक रूप से झज्जर पर वर्ष 1790 में दो सिखी साहब सिंह व मन्झा सिंह ने भी अधिकार कर लिया था। फिर 1794 से मराठों ने झज्जर को जार्ज थामस को प्रदान कर दिया, जिसने जहाजगढ़ में एक किला बनाया तथा हिसार तक के क्षेत्र पर कब्जा करके स्वतन्त्र राज्य ही बना लिया था। दिल्ली पर 1803 से अंग्रेजों का आधिपत्य होने पर उन्होंने झज्जर को एक विशाल रियासत बना दिया। इसका क्षेत्र नारनौल, महेन्द्रगढ़, दादरी व बावल तक था।

झज्जर के अंतिम नवाब द्वारा छुछकवास में बनवाया गया महल, जहां से अंग्रेजों ने उसको 1857 में बंदी बनाया था, यहां शिलालेख आज भी विद्यमान है। अंतिम नवाब द्वारा निर्मित झज्जर में स्थित महल।

निजाबत अली खां बना पहला नवाब

निजाबत अली खां झज्जर का प्रथम नवाब बनाया गया। लेकिन 54 वर्षों बाद 1858 में झज्जर रियासत को अंग्रेजों ने ही समाप्त कर दिया था। तब तक फैज अली खां, फैज मोहम्मद खां और अब्दुर रहमान खां आदि झज्जर के नवाब रहे थे। यद्यपि अन्तिम नवाब ने 1857 में अंग्रेजों से कोई प्रत्यक्ष युद्ध नहीं किया था लेकिन उसने दिल्ली से भागकर आए अंग्रेज मैटकाफ को शरण भी नहीं दी थी। इसका खामियाजा उसको फांसी के तौर पर भुगतना पड़ा। झज्जर के सम्पूर्ण इतिहास का उल्लेख गुलाम नबी द्वारा 1860 में लिखी गई पुस्तक में भी उर्दू भाषा में उपलब्ध है।

खाकी के कैनवास पर कला के अक्स बुन रहे एसीपी राजेन्द्र सिंह

प्रतिभा | **गुलशन वर्मा**

पुलिस... मतलब कड़क अंदाज, कठोर कार्यशैली, कड़ा अनुशासन। चौबीसों घंटे केस, कोर्ट-कचहरी, कानून, कायदा, कार्रवाई, कैदी, एनकाउंटर, लाठीचार्ज, हथकड़ी, जमानत, मुजरिम एफआईआर आदि आदि। ऐसा मान लिया जाता है कि पुलिस कर्मचारी या अधिकारी का जीवन भावशून्य व संवेदनाविहीन हो जाता है। खाकीधारियों की भीड़ में कुछ ऐसी शख्सियतें भी हैं जो कठोर प्रतिबद्धता के साथ कर्तव्य पालन में आदर्श बन कर खड़े हैं पर साथ ही व्यस्त दिनचर्या में से कुछ पल निकाल कर यह साबित कर रहे हैं कि खाकी सिर्फ कठोरता का पर्याय नहीं। कला, संस्कृति, काव्य, तूलिका भी उनके जीवन में अहम स्थान रखते हैं। यह शख्सियत हैं तूलिका के मास्टर और कविता के फनकार राजेन्द्र सिंह 'कलकल'।

दिल्ली पुलिस में असिस्टेंट पुलिस कमिश्नर यानी एसीपी (पीएचक्यू) राजेन्द्र सिंह को राष्ट्रीय कवि सम्मेलनों में कविता से श्रोताओं को उल्लासित, रोमांचित व भावविभोर करते देखा जा सकता है। देखते ही देखते वह साथ या सामने बैठे व्यक्ति का ऐसा सजीव कैरीकेचर बना देंगे कि आप दंग रह जाएंगे। एक 'शार्प' कार्टूनिस्ट के तौर पर 'कलकल' को अंतरराष्ट्रीय ख्याति मिली है। उनके कद्रदानों में ब्रिटेन के तत्कालीन प्रधानमंत्री बोरिस जानसन भी हैं जिन्होंने अपना कार्टून देख कर 10, डाउनिंग स्ट्रीट (सन् 1735 से लंदन में ब्रिटिश प्रधानमंत्रियों का निवास स्थान) से 'कलकल' को प्रशंसा का पत्र भेजा। भारत के पूर्व राष्ट्रपति और देश के मिसाइल मिशन के सूत्रधार एपीजे अब्दुल कलाम को जब राजेन्द्र 'कलकल' ने उनका कैरीकेचर दिया तो वे इतने प्रभावित हुए कि उस पर लिख दिया, 'वैरी गुड कार्टून'। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी, पूर्व पीएम मनमोहन सिंह, कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी, वरिष्ठ भाजपा नेता लालकृष्ण आडवाणी, सदी के मेगास्टार अमिताभ बच्चन, क्रिकेटर कपिल देव और तिब्बती आध्यात्मिक नेता दलाई लामा भी उनके प्रशंसकों में शामिल हैं। 'कलकल' के बनाए कार्टून पर इन सभी ने हस्ताक्षर किए हैं व कमेंट लिखे हैं। राजेन्द्र 'कलकल' के बनाए कार्टून/ कैरीकेचर की सूची काफी लंबी है। दिल्ली पुलिस के इतिहास पर किए गए शोध, साहित्यिक प्रतिभा, अध्यात्मवाद और व्यवहारवाद आदि को देख कर सहज रूप से उनकी 'वर्सेटाइल पर्सनैलिटी' का अहसास हो जाता है। हरियाणा के भिवानी जिले के मूल निवासी राजेंद्र सिंह 'कलकल' की बहुमुखी प्रतिभा पर अभी तक हरियाणा साहित्य अकादमी या केंद्र सरकार की साहित्य, कला, शिक्षा, सामाजिक एजेंसियों की नजर न पड़ना आश्चर्यजनक है।

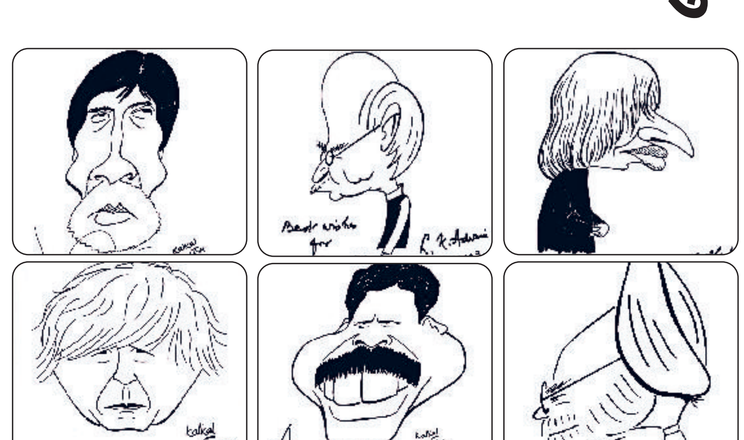

एसीपी राजेन्द्र सिंह 'कलकल' दिल्ली पुलिस के संग्रहालय के सूत्रधार और अनुसंधानकर्ता भी हैं। किंग्स्वे कैंप स्थित यह संग्रहालय कई मायनों में अद्भुत है। 'हिस्ट्री एंड हेरिटेज बुक आफ दिल्ली' में राजेंद्र 'कलकल' का अहम योगदान है।

दुनिया कायल है 'कलकल' की

राजेन्द्र सिंह के कद्रदानों में अटल बिहारी वाजपेयी, मनमोहन सिंह, अमिताभ बच्चन भी शामिल रहे हैं। अपना कैरीकेचर देख 'मिसाइलमैन' ने लिखा, 'वैरी गुड कार्टून', वहीं ब्रिटिश पीएम बोरिस जानसन ने लैटर भेज कर धन्यवाद किया।

दिल्ली पुलिस की पहली कॉफी टेबल बुक इन्हीं के शोध पर आधारित थी। आजादी से पहले की पुलिस यूनिफॉर्म, बंदूक, टोपी, पुलिस थानों की पहचान, फोटो, जुर्माना, पहली एफआईआर, इंस्पेक्शन बुक, पहला वायरलैस सेट जैसी अनेक रोचक और खोजपरक जानकारी इस संग्रहालय में मौजूद है। दिल्ली पुलिस की वेबसाइट 'कलकल' के कार्टूनों से भरी है। हर कार्टून इतना परफेक्ट कि आप देखते रह जाएंगे। दिल्ली पुलिस की पत्रिकाओं, कैलेंडर में उनके कार्टून छप चुके हैं। 'कलकल' जाने माने कवि भी हैं। उनकी कविताओं व साहित्य रचनाओं में जीवन के कठोर, चुटीले व रोचक किस्सों व प्रेरणादायक वृतांत का समावेश होता है। वह सामाजिक बंधनों की परंपरा को कायम रखने में भी सबसे आगे हैं। वह उपदेशक (मोटिवेशनल स्पीकर) की भूमिका भी निभा रहे हैं जिसमें वह अपने संदेशों में जीवन के प्रति आशावाद और उत्साह का संचार करते हैं। वह बाकायदा मोटिवेशनल क्लास भी लगाते हैं जिसमें दैनिक जीवन के तनावों से मुक्ति पाने के टिप्स दिए जाते हैं। ये टिप्स गीता की शिक्षा पर आधारित होते हैं। इन क्लासों में बढ़ती भीड़ इनकी निरंतर बढ़ती लोकप्रियता को स्वयं साबित करती है। इनके टिप्स बच्चे, युवा, प्रौढ़, बुजुर्ग सभी के लिए होते हैं ।

खबर संक्षेप

पत्नी के साथ मारपीट केस दर्ज

लोहारू। लोहारू निवासी एक विवाहिता ने अपने ही पति पर मारपीट का आरोप लगाते हुए लोहारू पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने शिकायत दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में विवाहिता सविता ने बताया कि उसके पति ने शराब के नशे में उसके साथ मारपीट की। घायल विवाहिता को प्राथमिक उपचार के बाद भिवानी सामान्य अस्पताल रेफर कर दिया गया।

हर्षपूर्वक मनाई संत कबीर दास जयंती

लोहारू। धानक धर्मशाला में महान संत कबीर दास जयंती समारोह पूर्वक मनाई गई। कार्यक्रम में स्थानीय नगरपालिका चेयरमैन प्रदीप तायल और भाजपा मंडल अध्यक्ष रोहताश चौहान बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। इस दौरान कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने संत कबीरदास को श्रद्धासुमन अर्पित किए और उनकी शिक्षाओं का अनुसरण करने की शपथ ली।

स्कूलों में कल से एक पेड़ मां के नाम अभियान शुरू

बाढ़ड़ा। शिक्षा विभाग में स्कूलों की छुट्टियां 30 जून को समाप्त हो रही है। छुट्टियां समाप्त होते ही राजकीय व गैर राजकीय विद्यालयों में फिर रौनक दिखने लगेगी और गायत्री मंत्र से स्कूल सजने लगेंगे। एक जुलाई से स्कूलों के खुलते ही शिक्षा विभाग व वन विभाग द्वारा संयुक्त रूप से पौधरोपण अभियान चलाया जाएगा।

पुनर्वास कार्यशाला का हुआ समापन

भिवानी। आदर्श रिहैबिलिटेशन सेंटर एवं स्पेशल स्कूल में तीन दिवसीय सतत पुनर्वास कार्यशाला का सफलतापूर्वक समापन हुआ। संस्था निदेशक डा. राजेश श्योराण व संसाधन अध्यापकों डॉ सत्यनारायण नाई, डॉ राजेश त्रिवेदी, डॉ उषा ने कार्यक्रम के अंतिम दिन दिव्यांग व्यक्तियों के लिए रोजगार कौशल की बारीकियों से अवगत करवाया । संसाधन अध्यापकों ने सिद्धांतों के माध्यम से प्रतिभागियों को बताया कि हम किस प्रकार से दिव्यांगों में कौशलताओं को विकसित कर सकते हैं जो उनके रोजगार क्षमताओं को बढ़ाने में सहायक हैं।

159 लोगों की आंखों की जांच कर दवाई दी

चरखी दादरी। गांव खेड़ी सनवाल में ईश्वर आई सेंटर तथा राजेश जैन एलपीएस बौसार्ड के सहयोग से निःशुल्क नेत्र जांच शिविर लगाया। शिविर में लोगों के नेत्रों की निःशुल्क जांच की गई तथा निःशुल्क दवाइयां वितरित की, जिसमें 159 व्यक्तियों की आंखों की फ्री जांच की।

बच्चों की तरह करें पेड़ पौधों की देखभाल: कर्ण

बाढ़ड़ा। प्रदेश सरकार व प्रशासन की तरफ से क्षेत्र को हरा-भरा बनाने के लिए लोगों को पेड़-पौधें लगाने के लिए जागरूक किया जा रहा है, ताकि बरसात के मौसम में अधिक से अधिक पेड़ों को लगाया जा सके और पर्यावरण को बढ़ावा मिले। राजकीय कन्या वमा विद्यालय बाढड़ा के प्रवक्ता कर्ण सिंह जेवली ने अपने पुत्र जयंत के जन्मदिन पर स्कूल प्रांगण में 51 फलदार और छायादार पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया है।

नवजात वेदिका आर्य का किया जलवा पूजन

भिवानी। केंद्र एवं हरियाणा सरकार द्वारा संचालित बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान के अंतर्गत भिवानी जिले में एक प्रेरणादायक आयोजन किया। रोहतक रोड स्थित निजी रिसॉर्ट में नवजात वेदिका आर्य के जन्म की खुशी में पारंपरिक जलवा पूजन समारोह हुआ। वेदिका का जन्म आदित्य प्रकाश एवं उर्मिला रानी के घर हुआ, जिसे परिवार ने बेटे की तरह पूरे हर्षोल्लास से समाज को सकारात्मक संदेश दिया। कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास विभाग और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी भी उपस्थित रहे। मुख्यातिथि के तौर पर सिविल सर्जन डॉ. रघुवीर शांडिल्य, सीडीपीओ किरण देवी, सुपरवाइजर रेखा शर्मा, आंगनबाड़ी वर्कर उर्मिला, बबीता आदि रहे।

मानसिक स्वास्थ्य पर आधारित कार्यशाला में रखे विचार

मासिक संतुलन शिक्षा के क्षेत्र में निभाता है अहम भूमिका

शिक्षक और विद्यार्थियों के मध्य मानसिक स्वास्थ्य को लेकर आपस में गहरा संबंध

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

भिवानी। आयोजित प्रशिक्षण शिविर में उपस्थित शिक्षक व अन्य पदाधिकारी।

जी लिट्रा वैली स्कूल में एक दिवसीय क्षमता संवर्धन कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें प्रशिक्षकों के रूप में अनीता शर्मा (प्रिंसिपल प्रिंस इंटरनेशनल स्कूल झुन्झनू)व संदीप कुमार डायरेक्टर सीपीडी, एनआईआईएलएम यूनिवर्सिटी कैथल से रहे। प्रशिक्षण का मुख्य विषय मानसिक स्वास्थ्य रहा। सर्वप्रथम आगंतुक प्रशिक्षकों, प्राचार्या सीमा मक्कड़ ,प्रशासक एस. के. हलवासिया ने दीप प्रज्वलन के साथ कार्यशाला का शुभारंभ किया। कार्यशाला में सी.डी.एस. इंटरनेशनल स्कूल व जी लिट्रा वैली स्कूल के लगभग 61अध्यापक अध्यापिकाओं ने प्रतिभागिता की। कार्यशाला में मानसिक स्वास्थ्य के बारे में जागरूकता प्रदान करते हुए बताया कि स्वस्थ जीवन शैली अपना कर और जरूरत पड़ने पर मदद लेकर हम सभी अपने मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बना सकते हैं। मानसिक स्वास्थ्य एक व्यापक अवधारणा है जो भावनात्मक मनोवैज्ञानिक और सामाजिक कल्याण को संदर्भित करता है,इसको प्रभावित करने वाले कारकों में जैविक मनोवैज्ञानिक सामाजिक में आर्थिक कारक हैं। शिक्षक और विद्यार्थियों के मध्य मानसिक स्वास्थ्य को लेकर आपस में गहरा संबंध है, शिक्षक छात्रों के मानसिक आवश्यकताओं को समझ कर स्कूल में स्वास्थ्य गतिविधियों की योजना बनाकर वह उन्हें लागू करके विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में सहयोग कर सकते हैं। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य छात्रों शिक्षको और अभिभावकों को मानसिक स्वास्थ्य के महत्व इसके प्रति जागरूकता बढ़ाने के बारे में था। प्रशिक्षकों ने मानसिक स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए विभिन्न तरीकों व रणनीतियों पर चर्चा की। उन्होंने छात्रों को तनाव प्रबंधन, आत्म सम्मान और सकारात्मक सोच के महत्व के बारे में जानकारी दी। सीबीएसई प्रशिक्षक का कहना था कि, मानसिक स्वास्थ्य छात्रों के शैक्षिक प्रदर्शन और समग्र कल्याण के लिए बहुत महत्वपूर्ण है ।हम सभी विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है और इस दिशा में निरंतर कार्य करते रहेंगे।

कार्यशाला में ये रहे उपस्थित

कार्यशाला के अंत में कंप्यूटर प्रवक्ता विवेक भारद्वाज ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया कि उनके द्वारा दी गई महत्वपूर्ण जानकारियां हमारे लिए भविष्य काल में अत्यंत लाभकारी सिद्ध होंगी। उन्होंने प्रबंधन कार्यकारिणी समिति का भी धन्यवाद किया कि समय-समय पर शैक्षणिक जागरूकता को बढ़ाने के लिए नई तकनीकी वह महत्वपूर्ण जानकारी से युक्त कार्यक्रम का आयोजन करते रहते हैं। इस अवसर पर सभी स्टाफ सदस्य विद्यालय में उपस्थित रहे।।

विधायक ने सरपंच को किया सम्मानित

- सामाजिक संगठनों ने हंसावास खुर्द की नवनिर्वाचित पंचायत का किया अभिनंदन

हरिभूमि न्यूज ⏭ बाढ़ड़ा

बाढ़ड़ा। सरपंच सतपाल सिंह का अभिनंदन करते पूर्व विधायक सुखविंद्र मांढी व सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी। *फोटो: हरिभूमि*

गांव हंसावास खुर्द की नवनिर्वाचिता ग्राम पंचायत का क्षेत्र के समाजिक संगठनों ने अभिनंदन करते हुए पारदर्शी विकास करवाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में पहुंचे मुख्यतिथि पूर्व विधायक सुखविंद्र मांढ़ी ने सरपंच को शॉल ओढाकर बधाई दी। गांव हंसावास खुर्द में पंचायत समिति के पूर्व चेयरमैन भल्लेराम बाढ़ड़ा की अध्यक्षता में आयोजित सम्मान समारोह में सरपंच सतपाल श्योराण सहित अन्य पंचों को शॉल भेंट कर अभिनंदन किया। मांढ़ी ने कहा कि पंचायत से जुड़कर ग्रामीण क्षेत्र में जनसेवा को बढ़ाया जा सकता है, ये गांव पहले नगर पालिका के फेर में उलझा रहा, लेकिन अब शांतिप्रिय चुनाव होने के बाद सभी ग्रामीणों को मिल जुलकर गांव का चहुंमुखी विकास करवाना चाहिए। कार्यक्रम में पूर्व चेयरमैन भल्लेराम बाढड़ा, युवा नेता कर्मबीर सिंह नांधा, सरपंच ईश्वर सिंह, प्रताप सिंह, विजय शर्मा, सरपंच सतपाल सिंह, अमित कुमार, महीपाल सिंह, करतार सिंह, नरेश कुमार, मैनपाल, करणसिंह बीडीसी आदि रहे।

प्रतियोगिता के फाइनल में पहुंची दादरी की टीम

- खिलाड़ियों को खेलों के प्रति किया प्रोत्साहित

हरिभूमि न्यूज ⏭ चरखी दादरी

चरखी दादरी। प्रतियोगिता में दादरी जिले की टीम। *फोटो: हरिभूमि*

दादरी जिले की फुटबाल टीम ने फतेहाबाद में चल रही राज्य स्तरीय प्रतियोगता में बेहतरीन प्रदर्शन किया। टीम ने खिताबी मुकाबले में अपना स्थान बना लिया है। जानकारी देते हुए मास्टर अमरजीत ने बताया फतेहबाद जिले के भूना में राज्य स्तरीय अंडर-15 सुब्रतो कप चल रहा है। प्रतियोगिता में दादरी जिले का प्रतिनिधित्व चरखी के शहीद सुरेश कुमार राजकीय उच्च विद्यालय की टीम कर रही है। उन्होंने बताया कि खिलाड़ियों प्रतियोगिता में अब तक शानदार प्रदर्शन किया है। जिसके चलते दादरी ने कुरुक्षेत्र के साथ 2-1 से जीत हासिल की। इसके उपरांत शानदार तरीके से रेवाड़ी को 3-1 से हराया।

योग साधकों ने नशा छोड़ने को किया प्रेरित

भिवानी। नवदुर्गा सेवा सहयोग संस्था के तत्वावधान में दक्षिण काली नवदुर्गा मंदिर से नशामुक्त समाज-स्वस्थ समाज के लक्ष्य को लेकर विशेष जनजागरूकता रैली निकाली। अभियान का मुख्य उद्देश्य युवाओं को नशे की लत से दूर रहने, पर्यावरण की रक्षा के लिए पौधरोपण और योग के माध्यम से स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना था। योगाचार्य जेई बिजेश जावला व मंदिर प्रबंधक उर्मिला सैनी के मार्गदर्शन में योग साधकों ने नशा छोड़ो, पेड़ लगाओ, पर्यावरण बचाओ का संदेश लेकर काली माता रोड, कोंट रोड, दादरी गेट, ढाणा रोड व मिनी बाईपास तक रैली निकाली, जिसमें युवाओं को विशेष संदेश दिया कि नशा जीवन को बर्बाद कर देता है।

टीबी रोग के प्रति किया जागरूक

- समय पर निदान और नियमित उपचार से लेप्रोसी और टीबी का ईलाज संभव : फौगाट

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

भिवानी। गांव मानहेरूम में जागरूकता अभियान चलाने की शपथ दिलाते हुए।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. रघुबीर शांडिल्य के आदेशानुसार और उप सिविल सर्जन डा. सुमन विश्वकर्मा के मार्गदर्शन में गांव मानहेरू के सीएचसी में लेप्रोसी (कुष्ठ रोग) और टीबी (क्षय रोग) के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों को इन बीमारियों से बचाव और इनके प्रति सामाजिक जागरूकता फैलाने की शपथ भी दिलाई गई। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों को लेप्रोसी और टीबी के कारणों, लक्षणों, उपचार और बचाव के तरीकों के बारे में विस्तार से बताया। इस मौके पर डा. रीतू फौगाट ने कहा कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य लेप्रोसी और टीबी जैसी गंभीर बीमारियों के बारे में लोगों को शिक्षित करना था, ताकि वे इनके लक्षणों को पहचान सकें और समय पर उपचार प्राप्त कर सकें। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग इन बीमारियों के उन्मूलन के लिए लगातार प्रयास कर रहा है, और इसी कड़ी में यह जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। उन्होंने कहा कि ये दोनों बीमारियां पूरी तरह से इलाज योग्य हैं, बशर्ते समय पर निदान और नियमित उपचार प्राप्त किया जाए। उन्होंने अंधविश्वासों और सामाजिक भ्रांतियों को दूर करने पर भी बल दिया।

नायब सरकार में हर वर्ग को मिल रहा हक: मंत्री

- सरकार के पंडित दीनदयाल उपाध्याय के सपनों को किया साकार

हरिभूमि न्यूज ⏭ चरखी दादरी

लोक निर्माण एवं जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर गंगवा ने कहा है कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व वाली राज्य सरकार में समाज के हर वर्ग के लोगों को उनका हक दिलाने का काम किया है। सरकार का वंचित एवं कमजोर वर्ग पर विशेष फोकस है। गंगवा विश्राम गृह में 13 जुलाई को भिवानी में आयोजित होने वाली गुरु दक्ष जयंती समारोह को लेकर मीडिया से बातचीत कर रहे थे। रणबीर गंगवा ने कहा कि पिछली सरकारों के समय अनुसूचित जाति और पिछड़ा वर्ग की आरक्षित सीटों को यह कह कर खाली छोड़ दिया जाता था कि इन पदों के लिए कोई योग्य उम्मीदवार नहीं मिला है, लेकिन बाद में इन पदों पर बैकडोर से भर्ती कर दी जाती थी। परिणाम स्वरूप बैकलॉक बढ़ता चला गया। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि पिछली सरकारों के दौरान अनुसूचित जाति व पिछड़ा वर्ग के लोगों के साथ में न केवल अन्याय हुआ, बल्कि अनेक कांड भी हुए। जिसके कारण लोगों को गांव से पलायन तक करना पड़ा, लेकिन भाजपा की सरकार ने समाज के कमजोर व वंचित वर्ग के लोगों का पुनर्वास करवाने का काम किया। लोक निर्माण एवं जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर गंगवा ने कहा कि मौजूदा राज्य सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि आरक्षित पदों पर केवल आरक्षित वर्ग के नौजवानों की ही भर्ती होगी। उन्होंने कहा कि भर्तियों में बीसी-ए को 16 प्रतिशत तथा बीसी-बी को 11 प्रतिशत आरक्षण का लाभ सुनिश्चित किया गया है। उन्होंने कहा कि समाज का वंचित वर्ग बेहद मेहनती है। पिछली सरकारों के दौरान सिफारिशों के चलते योग्य नौजवानों को नौकरी नहीं मिलती थी। तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने बिना पर्ची व बिना खर्ची के मेरिट के आधार पर नौकरियां देने की व्यवस्था की।

सीएम रहेंगे मुख्यातिथि

कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा ने कहा कि राज्य सरकार की संत-महापुरुष सम्मान एवं विचार प्रचार- प्रसार योजना के तहत 13 जुलाई को भिवानी में राज्य स्तरीय गुरु दक्ष जयंती समारोह आयोजित किया जाएगा। इस समारोह में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करेंगे।

राजघाट मैराथन में बालकिशन द्वारका ने जीता रजत पदक

- बहादुरगढ़ रनर ग्रुप हरियाणा का नाम एक बार फिर रोशन किया

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

रजत पदक विजेता बालकिशन द्वारका।

नशामुक्त भारत अभियान के तहत दिल्ली स्थित राजघाट पर 23वीं नशामुक्त भारत अभियान मैराथन दौड़ का आयोजन किया। मैराथन में चरखी दादरी जिले के द्वारका गांव निवासी बालकिशन जांगड़ा ने पांच किलोमीटर की दौड़ में शानदार प्रदर्शन कर रजत पदक जीता। उन्होंने ये दूरी 28 मिनट 39 सेकेंड में पूरी कर बहादुरगढ़ रनर ग्रुप हरियाणा का नाम एक बार फिर रोशन किया। बालकिशन द्वारका अर्थशास्त्र के सेवानिवृत्त प्रवक्ता हैं और 60 वर्ष आयु वर्ग के अनुभवी धावक हैं। वे पूर्व में माउंट आबू, अयोध्या, सोनीपत और वृंदावन सहित विभिन्न स्थानों पर आयोजित 21 किलोमीटर, 10 किलोमीटर तथा पांच किलोमीटर की मैराथनों में भी पदक जीत चुके हैं।

शहीद भगतसिंह की प्रतिमा को शीघ्र मिले सम्मान

हरिभूमि न्यूज ⏭ बाढ़ड़ा

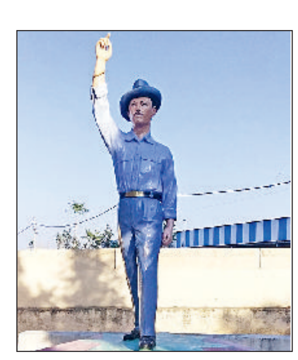

बीडीपीओ कार्यालय स्थित शहीद ए आजम भगतसिंह की प्रतिमा।

बाढ़ड़ा बीडीपीओ परिसर में स्थापित शहीद-ए-आजम भगत सिंह की प्रतिमा को सम्मानजनक स्थान पर पुनः स्थापित करने और प्रतिमा के पास 100 फीट की ऊंचाई का राष्ट्रीय ध्वज स्थापित करने की मांग की है। श्योराण खाप पच्चीस के प्रधान बिजेंद्र सिंह बेरला, भाकियू दादरी के जिला अध्यक्ष हरपाल सिंह भांडवा, प्रतिमा के संस्थापक व जेजेपी हलका अध्यक्ष विजय श्योराण काकड़ोली, शिक्षा प्रेरक संघ के विनोद माढ़ी, पूर्व छात्र नेता विजय मोटू, सिदोलिया खाप के कोषाध्यक्ष सीताराम शर्मा, पूर्व व्यापार मंडल प्रधान सिंटी बाढड़ा, आर्यवीर दल प्रधान कुलदीप आर्य, जितेंद्र डांडमा सहित सामाजिक संगठनों ने प्रशासन से आग्रह किया है कि प्रतिमा को नवनिर्मित भवन के सामने या मुख्य सड़क के पास सम्मानजनक स्थान पर स्थापित किया जाए।

पुस्तकालय को दी इनवर्टर सुविधा

- आंबेडकर भवन के सामुदायिक पुस्तकालय में भेंट की इनवर्टर की सुविधा

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

भिवानी। सामुदायिक पुस्तकालय को इनवर्टर भेंट करते प्रोत्साहन सोशल वेलफेयर सोसाइटी व डॉक्टर भीमराव चेरिटेबल ट्रस्ट के सदस्य। *फोटो: हरिभूमि*

जुई खुर्द के आंबेडकर भवन स्थित सामुदायिक पुस्तकालय में लंबे समय से बिजली की समस्या विद्यार्थियों के अध्ययन में बाधा बन रही थी। इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए प्रोत्साहन सोशल वेलफेयर सोसाइटी व डॉक्टर भीमराव चेरिटेबल ट्रस्ट ने पुस्तकालय में इन्वर्टर की सुविधा उपलब्ध करवाई हैं, जिससे पुस्तकालय में अध्ययनरत बच्चों व पाठकों को निर्बाध रूप से अध्ययन का वातावरण मिलेगा। प्रोत्साहन संस्था से प्रधान सुमित कुमार ने नेक कार्य में योगदान देने वाले सहयोगियों और दानदाताओं का आभार जताया और बताया कि पिछले कुछ समय से बिजली के लंबे-लंबे कट लग रहे थे, जिसकी वजह से पुस्तकालय के पाठकों को काफी परेशानीयों का सामना कारना पड़ रहा था। इन्वर्टर सुविधा से अब पुस्तकालय में पढ़ने वाले बच्चों और युवाओं को बिजली कटौती के समय भी सतत रूप से अध्ययन करने का अवसर मिलेगा, अब पुस्तकालय में रोशनी और पंखे चलते रहेंगे, जिससे विद्यार्थियों की पढ़ाई में कोई बाधा नहीं आएगी।

जनता एवं सरकार के बीच सेतु का कार्य करेंगे चिकित्सक: डॉ. गोयल

डॉ. अंचल व दलाल बने कष्ट निवारण समिति के सदस्य

- नीमा के दो सदस्यों का जिला कष्ट निवारण समिति में मनोनित होने पर किया सम्मान

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

भिवानी। डॉ. विनोद अंचल व डॉ. नरेंद्र दलाल को बधाई देते नीमा के पदाधिकारी।

नेशनल इंटीग्रेटेड मेडिकल एसोसिएशन (नीमा) की भिवानी जिला शाखा के तत्वावधान में निजी रेस्तरां में बैठक का आयोजन हुआ। नीमा भिवानी के दो सदस्यों का जिला कष्ट निवारण समिति में बतौर सदस्य मनोनित होने के उपलक्ष्य में सम्मान समारोह का आयोजन हुआ, जिसमें नीमा के सदस्य डॉ. विनोद अंचल व डॉ. नरेंद्र दलाल का सम्मान किया गया। डॉ. विनोद अंचल नीमा हरियाणा के लीगल सेल के अध्यक्ष और जिला स्वास्थ्य विभाग में नेगलिजेंस बोर्ड के सदस्य भी है। इसके अलावा भिवानी जिले के जीओ गीता चिकित्सा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष की जिम्मेदारी भी डॉ. अंचल बाखूबी निभा रहे हैं। नीमा ने दोनों सदस्यों के चयन पर खुशी व्यक्त करते हुए भाजपा के शीर्ष नेतृत्व का धन्यवाद किया है। नीमा के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बडोली, राज्यसभा सांसद किरण चौधरी, सांसद धर्मवीर सिंह, विधायक घनश्यामदास सर्राफ व जिला अध्यक्ष वीरेंद्र कोशिक का आभार जताया। नीमा हरियाणा के पूर्व अध्यक्ष डॉ. आरबी गोयल ने दोनों सदस्यों को बधाई दी और कहा कि उन्हें पूर्ण विश्वास है कि दोनों चिकित्सक जनता और सरकार के बीच एक सेतु का कार्य करेंगे तथा जनता से जुड़े मुद्दों को बैठक में जोर-शोर से उठाएंगे।

इस अवसर पर ये रहे मौजूद

इस अवसर पर नीमा के सचिव डॉ. एपी महता, डॉ. रोहित कौशिक, डॉ. नरेंद्र शर्मा, डॉ. बीएस गुप्ता, डॉ. महेंद्र जायसवाल, डॉ. सुरेंद्र भारद्वाज, डॉ. प्रवीण शर्मा, डॉ. राजेश खुराना, डॉ. महेश कौशिक, डॉ. अंकुर गिरधर, डॉ. प्रवीण अंचल, डॉ. नवीन अंचल, डॉ. देवेंद्र चौहान, डॉ. सरिता चौहान, डॉ. अनिता अंचल, डॉ. एसके गिरधर, डॉ. राजेश कौशिक, डॉ. सुनील कुमार, डॉ. सुमित कौशिक, डॉ. पूजा दलाल, डॉ. धर्मवीर भारद्वाज, डॉ. कुलदीप शर्मा, डॉ. मनोज दादरवाल, अमित वर्मा सहित अनेक चिकित्सक मौजूद रहे।

क्रेशर जोन में मिला नवजात बच्ची का शव, पहुंची पुलिस

- पुलिस व एफएसएल ने किया निरीक्षण, अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज

हरिभूमि न्यूज ⏭ चरखी दादरी

गांव खेड़ीबत्तर के क्रेशर जोन में नवजात बच्ची का शव मिला। सूचना के बाद पुलिस व एफएसएल टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए और जोन में लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाली जा रही है। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज कर बच्ची के शव को पोस्टमार्टम के लिए सामान्य अस्पताल भिजवा दिया। दादरी जिले के गांव खेड़ीबत्तर में श्रमिकों के बच्चे खेल रहे थे। बच्चों ने एक कुत्ते को नवजात शिशु का शव उठाकर भागते हुए देखा तो अपने परिजनों को सूचित किया। मजदूरों ने कुत्ते का पीछा किया तो शव को खेत में छोड़कर भाग गया। मजदूरों ने क्रेशर मालिकों को इस बारे में बताया। कुछ ही देर में ग्रामीणों को भीड़ एकत्रित हो गई। मामले की सूचना सदर पुलिस को दी।

कलयुगी मां को मिले सजा

शिशु का शव मिलने की सूचना के बाद सैकड़ों ग्रामीणों एकत्रित हो गए। उन्होंने बताया कि बच्ची का शव देखकर लगता है कि बच्ची ने 24 घंटे पहले ही जन्म लिया था। उन्होंने कहा कि पुलिस मामले की जांच करे और कलयुगी माता पिता को सजा मिले।

खबर संक्षेप

भाजपा में कार्यकर्ताओं को मान-सम्मानः विरेन्द्र

भिवानी। बावड़ीगेट निवासी भाजपा विमुक्त एवं अर्ध घुमंतू जाति प्रकोष्ठ के जिला संयोजक मुकेश सोढी सिंगीकाट द्वारा किए जा रहे जनकल्याणकारी कार्यों को देखते हुए भाजपा कष्ट निर्वाण समिति का सदस्य चुने जाने पर भाजपा जिला अध्यक्ष विरेन्द्र कौशिक ने फूलमालाओं के साथ स्वागत किया। उन्होंने कहा कि भाजपा ही एक ऐसी पार्टी है जोकि कार्यकर्ताओं की मेहनत को देखते हुए उन्हें पूरा मान सम्मान देती है।

जिला स्तरीय तैराकी प्रतियोगिता कल

भिवानी। चिड़ियाघर रोड स्थित स्वीमिंग पुल में 1 जुलाई को प्रातः 9 बजे जिला स्तरीय तैराकी प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। जिला तैराकी संघ के महासचिव चेतन प्रकाश ने बताया कि प्रतियोगिता पूर्व जिला खेल अधिकारी एवं उपप्रधान जयसिंह कालीरामण, अर्जुन अवार्डी प्रशांत कर्माकर तैराकी प्रशिक्षक एवं जसविंद्र सिंह तैराकी प्रशिक्षत बीआरसीएम बहल की देखरेख में आयोजित की जाएगी।

पूर्व बैंक मैनेजर दहिया ने लगाया 1 पौधा मां के नाम

भिवानी। भाजपा किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष एवं सेवानिवृत बैंक मैनेजर धर्मबीर सिंह दहिया ने एक पौधा मां के नाम लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। दहिया ने कहा कि पौधें हैं तो जीवन है, युवाओं को अपने जीवन में अधिक से अधिक पौधें लगाकर उनकी देखरेख करनी चाहिए तभी हम पर्यावरण को शुद्ध बना सकते हैं। उन्होंने कहा कि हमारे पूर्वजों ने पर्यावरण को विरासत में दिया है।

श्रीमद्भागवत पदयात्रा की तैयारी पूर्ण

भिवानी। वृंदावन उत्तर प्रदेश से कुगंडियों के मंदिर भिवानी के लिए श्रीमद्भागवत पदयात्रा दो जुलाई से शुरू होगी, जिसकी सभी तैयारी पूर्ण कर ली गई है। यह जानकारी देते हुए रमेश अग्रवाल, नितिन गुप्ता और गौरव शर्मा ने बताया कि दो जुलाई से वृंदावन से भिवानी के लिए पदयात्रा आरम्भ होगी। अमित भृगु और चिराग थेपड़ा ने बताया कि यात्रा चार जुलाई को भिवानी आएगी।

सचिन बने जिला कष्ट निवारण समिति के सदस्य

भिवानी। समाजसेवी सचिन सिंगला को जिला कष्ट निवारण समिति का सदस्य नियुक्त किया गया है, जिससे शहर के नागरिकों में खुशी है। उनकी नियुक्ति उनके वर्षों के अथक सामाजिक कार्यों और जनसेवा के प्रति उनके समर्पण का परिणाम है। बता दें कि सचिन सिंगला लंबे समय से विभिन्न सामाजिक गतिविधियों से जुड़े रहे हैं।

इनेलो का प्रदर्शन कल तैयारी को हुई बैठक

भिवानी। बिजली दरों में लगातार हो रही वृद्धि के विरोध में इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) ने एक जुलाई को पंचकूला में प्रदर्शन कर सैक्टर-6 में बिजली निगम के चेयरमैन को ज्ञापन सौंपने का ऐलान किया है। प्रदर्शन को सफल बनाने और तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए रविवार को इनेलो की मीटिंग कोर्ट परिसर के सामने हुई।

केकेएचडी 2025 एकल डांस की बनीं उपविजेता

बेटी तनिष्का शर्मा ने पंजाब में जमाई तोशाम की धाक

तोशाम। प्रतियोगिता में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाली बेटी तनिष्का।

1 डांस में पूरे भारत के बच्चों को कड़ी मात देते हुए केकेएचडी 2025 के फाइनल मुकाबले के दौरान डांस में भारतवर्ष में पाया द्वितीय स्थान

2 28 जून को पंजाब के संगरूर जिले के धुरी में आयोजित फाइनल मुकाबले में छोड़ी छाप

हरिभूमि न्यूज ▶▶ तोशाम

गत 28 जून को पंजाब के संगरूर जिले में स्थित धुरी शहर में आयोजित टीवी रियलिटी शो किसमें कितना है दम 2025 के ग्रैंड फिनाले में तोशाम निवासी मात्र 10 वर्षीय तनिष्का शर्मा ने डांस की शानदार प्रस्तुति देकर पूरे भारतवर्ष से चुनकर आए डांसर बच्चों को कड़ी चुनौती देते हुए तोशाम का नाम देशभर में रोशन कर डाला। इस दौरान तनिष्का के डांस की परफॉर्मेंस इतनी जबरदस्त थी कि प्रतियोगिता के जजों ने भी तनिष्का की जमकर तारीफ करते हुए उपस्थित ऑडियंस से निरंतर तीन बार तालियां बजवाकर तनिष्का का हौसला बढ़ाया।

यह जानकारी देते हुए तनिष्का शर्मा के पिता डॉक्टर विष्णु दत्त शास्त्री ने बताया कि तनिष्का शर्मा अपनी डांस की काबिलियत के तहत 4 ऑडिशन पास करके लाखों बच्चों में से चुनकर टीवी चैनल दूरदर्शन प्रसार भारती के डीडी पंजाबी चैनल के रियलिटी शो किसमें कितना है दम की फाइनलिस्ट तो पहले ही बन चुकी थी जोकि यह मुकाम भारतवर्ष के कुछ चुनिंदा बच्चों ने ही हासिल किया था।

इन चुनिंदा बच्चों के लिए शनिवार 28 जून को पंजाब के संगरूर जिले के धुरी में आयोजित हुए फाइनल मुकाबले में पूरे भारत वर्ष के कश्मीर से कन्याकुमारी तक के विभिन्न राज्यों से चुनकर आए टॉप डांसरों को तनिष्का शर्मा ने इस कदर कड़ी टक्कर दी कि इस मौके पर बतौर अतिथि मौजूद पंजाब की करीबन 200 पंजाबी फिल्मों में हीरो का रोल निभा चुके पंजाब में मशहूर चाचा बिशना सिंह तनिष्का की परफॉर्मेंस देखकर दांतों तले उंगली दबाने को मजबूर हो गए तथा पंजाबी हीरो चाचा बिशना ने तनिष्का के साथ सेल्फी भी ली वहीं जजों ने भी मात्र 10 वर्षीय तनिष्का द्वारा जो शानदार डांस प्रस्तुत किया उसकी जमकर तारीफ की। इस दौरान तनिष्का ने अपनी परफॉर्मेंस के दम पर फाइनल मुकाबले में बच्चों को कड़ी टक्कर देकर द्वितीय स्थान प्राप्त कर अपने जिले, गांव तथा माता पिता का नाम पूरे भारतवर्ष में रोशन किया है। जिससे केकेएचडी टीम सहित आए हुए अतिथियों ने तनिष्का को बतौर उपविजेता प्रमाण पत्र, ट्राफी आदि से सम्मानित किया।

टॉप डांसरों को दी मात

इस प्रकार ग्रामीण आंचल से निकली मात्र 10 वर्षीय तनिष्का शर्मा ने अपनी कला के दम पर पूरे भारत से चुन चुनकर आए टॉप डांसरों को कड़ी चुनौती देकर जो मुकाम हासिल किया है उससे स्पष्ट है कि ग्रामीण आंचल में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है और ग्रामीण बच्चों में भी प्रतिभा कूट-कूट कर भरी हुई है। इसी के साथ अब तनिष्का शर्मा को शॉर्ट मूवी में भी बाल कलाकार के रूप में काम करने का मौका मिलेगा जिससे तोशाम की बेटी तनिष्का छोटे पर्दे से उभरकर अब बड़े पर्दे तक अपनी कला के जलवे दिखाएगी। वहीं तनिष्का शर्मा ने अब तक की उपलब्धि के आधार पर केकेएचडी 2025 की फाइनलिस्ट सहित केकेएचडी 2025 की उपविजेता का खिताब भी अपने नाम कर लिया है। तनिष्का की इस उपलब्धि के बाद बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है तथा तनिष्का के परिजनों सहित गांव व क्षेत्र में खुशी की लहर है। होनहार डांसर तनिष्का शर्मा ने अपनी उपलब्धि के पीछे अपने पिता डॉक्टर विष्णु दत्त शास्त्री के द्वारा कदम दर कदम सहयोग करने का बहुत बड़ा योगदान बताया वहीं अपनी उपलब्धि का श्रेय अपने पिता डॉक्टर विष्णु दत्त शास्त्री व अपने दादा पंडित रामकिशन महाराज को दिया है।

राज्यसभा सांसद बराला ने धर्मशाला निर्माण के लिए 11 लाख रुपये देने की घोषणा की

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहल

भिवानी। धर्मशाला निर्माण में सहयोग के लिए सुभाष बराला से मिलते बहल के लोग।

कस्बे में बनने वाली श्रीअलख धर्मशाला के लिए राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने मदद का हाथ बढ़ाया है। उन्होंने धर्मशाला निर्माण के लिए अपने राज्यसभा सांसद कोटे से श्रीअलख जनसेवा ट्रस्ट को 11 लाख रुपये देने की घोषणा की है। उन्होंने अपने प्रयास से 23 गुणा 28 वर्ग फुट का हॉल बनाने में मदद का आश्वासन दिया है। श्रीअलख जनसेवा ट्रस्ट ने धर्मशाला निर्माण में सहयोग के लिए राज्यसंभा सांसद बराला का आभार जताया है। इससे पहले पूर्व मंत्री जेपी दलाल ने धर्मशाला निर्माण के लिए 21 लाख रुपये का सहयोग दिया था। पिछले काफी समय से कस्बे में ऐसी धर्मशाला की जरूरत महसूस की जा रही थी, जिसमें बाहर से आने वाले लोगों को आश्रय मिल सकें। इस जरूरत को पूरी करने का बीड़ा श्री अलख जनसेवा ट्रस्ट ने उठाया और कस्बे में एक सुविधाजनक सार्वजनिक धर्मशाला बनाने की सोच बनाई। धर्मशाला निर्माण के लिए श्रीअलख जनसेवा ट्रस्ट के अनुरोध पर स्वर्गीय शंकरमल साबू परिवार ने चार कनाल से ज्यादा जमीन दान स्वरूप दी है। इस जमीन पर करीब पांच करोड़ रुपये की लागत से धर्मशाला का निर्माण किया जाएगा। श्रीअलख आश्रम के महंत विकास गिरि महाराज ने बताया कि धर्मशाला का काम करीब तीन साल के अंतराल में पूरा कर लिया जाएगा, जिसमें 34 कमरे बनाए जाएंगे जो सुविधाओं से युक्त होंगे।

इसके अलावा धर्मशाला में 66/188 वर्ग फुट का बड़ा हॉल बनाया जाएगा। धर्मशाला का निर्माण व संचालन श्रीअलख जनसेवा ट्रस्ट द्वारा किया जाएगा।

बाल संतों ने भक्ति के रंग बिखेरे, भक्ति-भाव से गूंजा प्रेक्षा विहार परिसर

भिवानी। सत्गुरु माता सुदीक्षा एवं पूज्य निरंकारी राजपिता रमित के पावन आशीर्वाद से संत निरंकारी मिशन द्वारा भिवानी जोन का जोन स्तरीय निरंकारी बाल संत समागम आज प्रेक्षा विहार, भिवानी में अत्यंत भावपूर्ण, अनुशासित एवं आध्यात्मिक वातावरण में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता संत निरंकारी मिशन के कर्मयोगी एवं विद्वान महात्मा प्रदीप अरोड़ा (रोहिणी, दिल्ली) ने की। उन्होंने कहा कि सत्गुरु ज्ञान प्रदान कर अच्छे इंसान बनाता है। जीवन में कुछ भी बनो, डॉक्टर, इंजीनियर, कलाकार सब मुबारक है, बस इंसान बनना जरूरी है। मानव जीवन प्रभु प्राप्ति का माध्यम है, और यह प्रभु हमें हर घट में दिखे ऐसी दृष्टि सतगुरु प्रदान करते हैं। बच्चों को 'मैं' और 'मेरी' के अहंकार से दूर रहना चाहिए। सत्गुरु बाल मन में मानवीय मूल्यों के बीज बो रहे हैं, यही मूल्य जीवन को सार्थक बनाते हैं। सीखने की कोई आयु नहीं होती, बच्चे इस मंच के माध्यम से बहुत कुछ सीख रहे हैं, और हम सभी को उनसे भी सीखने की प्रेरणा लेनी चाहिए। उन्होंने संगत को सेवा, सुमिरन और सत्संग के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। सतगुरु की कृपा से यह आयोजन अत्यंत सफल रहा। उन्होंने मिशन मुख्यालय दिल्ली से पधारे महात्मा श्री प्रदीप अरोड़ा, समर्पित सेवादल, अभिभावकों, सभी शाखाओं की संगत, प्रशासन एवं मीडिया बंधुओं का हृदय से आभार प्रकट किया। इस अवसर पर विशेष रूप से भिवानी के विधायक घनश्याम दास सर्राफ़, प्रजापिता ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के प्रतिनिधि बहन सुमित्रा जी एवं महंत श्री चरण दास जी महाराज (हनुमान जोहड़ी धाम) उपस्थित रहे।

भिवानी। बाल संत समागम के दौरान एक बाल संत से बातचीत करते हुए।

योजनाएं धरातल पर लागू किया जाएगा

क्षेत्र की जनसमस्याओं का निपटान ही प्राथमिकता : सुनील सांगवान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ चरखी दादरी

भाजपा के दादरी विधायक सुनील सांगवान ने कहा कि अपने विधानसभा क्षेत्र की जन समस्याओं का निपटान करना ही प्राथमिकता है और भविष्य में यहां के विकास को आगे बढ़ाने के लिए सरकार के सहयोग से अनेक परियोजनाओं को धरातल पर लागू किया जाएगा। प्रदेश की नायब सरकार द्वारा विकास के लिए जारी करोड़ों ही राशि से अनेक परियोजनाएं पाइप लाइन में चल रही हैं।

विधायक सुनील सांगवान ने रविवार को कैंप कार्यालय में खुला दरबार लगाया। दरबार में पहुंचे लोगों ने बिजली-पानी, सीवर, सड़क व गलियों से संबंधित अपनी समस्याएं रखी। विधायक ने तुरंत संबंधित विभाग के अधिकारियों से फोन पर समाधान बारे निर्देश दिए। इस दौरान गांव समसपुर के ग्रामीणों ने नहरी पानी की समस्या रखी तो विधायक ने कहा कि ग्रामीणों की समस्या को प्राथमिकता के आधार पर सुलझाया जाएगा। कहा कि मेरे लिए जनसेवा केवल एक औपचारिक दायित्व नहीं, बल्कि जीवन का उद्देश्य, संकल्प और दृष्टिकोण है। जनता की आवाज को सुनना, समस्याओं की जड़ों तक पहुंचाना और समाधान के लिए प्रभावी, पारदर्शी व त्वरित कार्यवाही सुनिश्चित करना उनकी प्राथमिकता है।

भिवानी। लोगों की समस्या सुनते विधायक सुनील सांगवान। *फोटो : हरिभूमि*

देश की जनता से जुड़ने का अनूठा मंच है प्रधानमंत्री मोदी के मन की बात कार्यक्रम : शंकर धुपड़

- भाजपा नेताओं व कार्यकर्ताओं ने सुना पीएम मोदी के मन की बात का 123वां एपिसोड

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने रविवार को बूथ नंबर-90 व 91 पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात का 123वां एपिसोड बड़े उत्साह के साथ सुना। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी व कार्यकर्ता एकत्रित हुए और प्रधानमंत्री के विचारों को ध्यान से सुना। कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष शिवराज बागड़ी ने की। इस मौके पर राष्ट्रीय परिषद के सदस्य शंकर धुपड़ व जिला महामंत्री शिवकुमार पराशर, मन की बात के प्रदेश सहसंयोजक मनोज ढाणा भी विशेष तौर पर मौजूद रहे। भाजपा राष्ट्रीय परिषद के सदस्य शंकर धूपड़ ने कहा कि मन की बात कार्यक्रम सीधे तौर पर देश की जनता से जुड़ने और उनकी आकांक्षाओं, चुनौतियों और उपलब्धियों को सांझा करने का अनूठा मंच है। प्रधानमंत्री मोदी कार्यक्रम के माध्यम से विभिन्न सामाजिक, आर्थिक और राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर अपने विचार सांझा करते हैं, जिससे नागरिकों में जागरूकता एवं प्रेरणा का संचार होता है। आज के एपिसोड में प्रधानमंत्री मोदी द्वारा उठाए विभिन्न मुद्दों पर कार्यकर्ताओं ने आपस में चर्चा की। पीएम के संदेशों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया और कहा कि वे इन विचारों को अपने संबंधित क्षेत्रों में लागू करने का प्रयास करेंगे। इस अवसर पर भाजपा जिला मीडिया प्रभारी सोनू सैनी, डॉ. रत्न प्रजापति, गोविंद कुमार, जयभगवान तंवर, संजय कुमार, धर्मचंद व श्रीराम आदि मौजूद रहे।

भिवानी। पीएम मोदी के मन की बात का एपिसोड देखते भाजपा पदाधिकारी व सदस्य।

बवानीखेड़ा। बवानी खेड़ा के ढ़ाणी यादव स्थित राजकीय मॉडल संस्कृति प्राथमिक पाठशाला में बतौर जेबीटी शिक्षिका संतोष देवी शिक्षा विभाग में 33 वर्ष की सेवा करने पश्चात सेवानिवृत होने पर सम्मानित करते हुए।

33 साल की सर्विस करने के बाद सेवानिवृत हुई संतोष देवी

बवानीखेड़ा। बवानी खेड़ा के ढ़ाणी यादव स्थित राजकीय मॉडल संस्कृति प्राथमिक पाठशाला में बतौर जेबीटी शिक्षिका संतोष देवी शिक्षा विभाग में 33 वर्ष की सेवा करने पश्चात सेवानिवृत हो गई। उनकी सेवानिवृति पर विद्यालय में विदाई कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्राचार्या संतोष भाकर, महेश लिपिक, दयावंती, विजय कुमार, कैलाश चन्द्र, राम नरेश, नानड़ सिंह, हनुमान प्रसाद, शारदा रानी, मंजू बाला, दयावंती, मुकेश कुमार, परिजनों में संतोष देवी के पति समाजसेवी रमेश चन्द्र, पुत्र सुमित, पुत्री ईशू, पौत्र अंशुमन, पौत्री अनाया सहित अन्य ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

जल्द प्रबंध पूरे करने के निर्देश दिए

नप चेयरमैन सैनी ने पानी निकासी की व्यवस्थाओं का किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ चरखी दादरी

नगर परिषद चेयरमैन बक्शीराम सैनी ने रविवार को शहर में बरसाती पानी निकासी की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों से जल्द तमाम प्रबंध पूरे करने के निर्देश दिए। चेयरमैन बक्शीराम सैनी ने कहा कि मानसून के सीजन में जलभराव की समस्या होती है। जलभराव को लेकर प्रशासन व सरकार पूरी तरह से सजग है।

चेयरमैन सैनी ने कहा कि पिछले लंबे समय से समाधान के लिए कार्य किया जा रहा है। इस बार जलभराव नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने शहर में जलभराव के संभावित स्थानों पर पानी निकासी की परियोजना का निरीक्षण करते हुए निर्देश दिया कि व्यवस्था को और अधिक सुचारू किया जाए, ताकि बारिश का पानी पाइप लाइनों के माध्यम से निकाला जा सके। बक्शीराम सैनी ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री व वर्तमान में केंद्रीय उर्जा मंत्री मनोहर लाल ने दादरी की समस्याओं को हल करवाने के लिए आदेश पारित कर दिए थे। उनके कार्यकाल में ही योजनाओं पर काम शुरू हो गया था। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी पूरी तरह से धरातल पर उतारने के लिए प्रतिबद्ध है।

भिवानी। पानी निकासी की व्यवस्था का निरीक्षण करते चेयरमैन बक्शीराम सैनी।

भाजपाइयों ने सुनीं पीएम मोदी की मन की बात

लोहारू। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम का 123वां एपिसोड का सीधा प्रसारण रविवार को सुबह 11 बजे स्थानीय अनाज मंडी मंडी स्क्रीन लगाकर सुना गया। भाजपा मंडल अध्यक्ष रोहताश चौहान, नगरपालिका चेयरमैन प्रदीप तायल के नेतृत्व में अनेक भाजपाइयों ने प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम को सुना। रोहताश चौहान ने बताया कि प्रधानमंत्री ने मन की बात कार्यक्रम में योग का महत्व बताने के साथ साथ देश के अनेक सामाजिक मुद्दों पर प्रकाश डाला है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री के मन बात कार्यक्रम ने देश को नई दिशा देने का काम किया है। इस मौके पर व्यापार मंडल प्रधान धनपत सैनी, विजय शेखावत, कृष्ण टीकेवाला, पार्षद जय सिंह सैनी, सरपंच राजकुमार, पार्षद अजय शर्मा, विपिन सैनी सहित अनेक भाजपा कार्यकर्ता मौजूद थे।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने सुनी पीएम नरेंद्र मोदी के मन की बात

तोशाम। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात का 123वां कार्यक्रम जुई में भाजपा कार्यकर्ताओं ने एकत्रित होकर सुना। वहीं कैरु के मंडल अध्यक्ष सतीश वर्मा को जिला कष्ट निवारण समिति भिवानी का सदस्य बनाने पर कार्यकर्ताओं व ग्रामीणों ने जुई में पहुंचने पर सतीश वर्मा का फूल-मालाओं सहित पुष्पगुच्छ देकर सम्मान किया।

इस दौरान सतीश वर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सपनो का भारत 2047 तक विकसित देशों की श्रेणी में पहुंचने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। वर्मा का कहना था कि भारत देश आत्मनिर्भर हो चुका है तथा भाजपा सरकार गरीब, किसान, मजदूर सबको साथ लेकर चलने में विश्वास करती है, जिसके तहत देशभर में सबका साथ सबका विकास नारे के तहत आमजन के कार्य भी हो रहे हैं। इस अवसर पर किसान मोर्चा मंडल अध्यक्ष राजेश लाम्बा, उपाध्यक्ष संदीप तंवर जुई, केशर शर्मा, अक्षय सारसर जुई, सुरेंद्र बीडीसी, डॉक्टर बलबीर, कुलदीप आदि सहित अनेक भाजपा कार्यकर्ता मौजूद थे।

श्योनंद धाम पर उमड़े श्रद्धालु पर्यावरण सरंक्षण का लिया संकल्प

बाढ़ड़ा। गांव गोपी के बाबा श्योनंद महाराज की पुण्यतिथि पर उनके धाम पर आयोजित वार्षिकोत्सव जागरण, भंडारा कार्यक्रम में क्षेत्र के हजारों श्रद्धालुओं ने पहुंचकर पूजा अर्चना में भागीदारी कर परिवार की कुशल क्षेम की कामना की। कार्यक्रम में पूर्व विधायक सुखविंद्र मांढी व एसडीएम मनोज दलाल की मौजूदगी में प्रबंधक कमेटी ने सभी भक्तजनों को 1100 औषधीय, फलदार व छायादार पौधे लगाकर व वितरण कर पर्यावरण संकल्प लिया। बाबा श्योनंद महाराज की पुण्यतिथि पर जागरण व भंडारे में गोपी, पंचगावां, काकड़ौली, कारी, डांडमा सहित एक दर्जन गांवों के भक्तजनों ने शरीक होकर प्रसाद ग्रहण किया तथा मंदिर में मन्नत मांगी। पूर्व विधायक मांढ़ी ने कहा कि ये धार्मिक स्थल हमारी वर्षो पुरानी आस्था को मजबूत बनाते हैं तथा हमें ऋषि मुनियों से पता चलता है कि हमारी संस्कृति ऐतिहासिक रही है। एसडीएम मनोज दलाल ने भक्तजनों से दैनिक जीवन में नशे को दूर करने व पॉलीथिन का बहिष्कार करने का आह्वान किया।

भिवानी। गांव गोपी के श्योनंद महाराज धाम पर पूर्व विधायक सुखविंद्र मांढी, एसडीएम मनोज दलाल पौधरोपण करवाती आयोजक कमेटी।

कार्यक्रम श्री क्षत्रिय स्वर्णकार सभा ने निर्विरोध चुने पदाधिकारी, एकता का दिया सन्देश

स्वर्णकार सभा के राजेश प्रधान, दीपक सचिव व मुकेश चुने गए कोषाध्यक्ष

- सरकार व हरियाणा पुलिस नशे पर लगा रही लगाम : एसीपी मनोज
- हर समाज नशे जैसी बुराई को खत्म करने के लिए आगे आए : एसीपी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

श्रीक्षत्रिय स्वर्णकार सभा के पदाधिकारी का निर्विरोध चयन किया, जिनका शपथ समारोह हनुमान ढाणी चौक स्थित वाटिका सभागार में हुआ, जिसमें पलवल के एसीपी मनोज कुमार ने बतौर मुख्यतिथि पहुंचे। कार्यक्रम की अध्यक्षता सभा के संरक्षक प्रहलादराय एवं समाजसेवी विनोद छापरिया ने की। इस अवसर प्रहलाद राय, सूबेदार धर्मपाल, मुरारीलाल, विनोद छापरिया, महावीर प्रसाद सोनी, सुरेंद्र सोनी ,सुभाष सोनी, एडवोकेट संजय सोनी, वर्तमान प्रधान राजेश वर्मा, महासचिव दीपक सोनी, कोषाध्यक्ष मुकेश छापरिया, उपप्रधान दीपक कुमार, सहसचिव मांगेराम, सुधांशु, प्रदीप सोनी, धीरज सोनी, डॉ. विनोद अंचल, केके वर्माव मुकेश रहेजा आदि मौजूद रहे।

सभा के शपथ समारोह में मुख्यतिथि के तौर पर पहुंचे पलवल के डीएसपी मनोज कुमार ने कहा कि समाज ने एकता की मिसाल कायम की है । सर्वसम्मति से सभा के पदाधिकारी चुने गए, जिससे हमारी एकता मजबूत होती है और वहीं मजबूती श्रवर्णकार समाज ने दिखाई है। उन्होंने कहा कि हर समाज को चाहिए कि वह सामाजिक बुराइयों को खत्म करने के लिए आगे आए। आज हर समाज में नशे जैसी बुराई घर कर रही है। उन्होंने कहा कि नशा छोड़ने वाले को सम्मान दिया जाता है और उनकी बुराई को दूर करने के लिए सरकार द्वारा स्वास्थ्य विभाग में हेल्थ केयर सेंटर बनाए हैं, जिनमें रहकर व्यक्ति नशे की आदतों से दूर रह सकता है।

भिवानी। सर्वसम्मति से चुने गए पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलवाते चुनाव अधिकारी।

समाज ने एकता का परिचय दिया

प्रहलादराय व छपारिया ने कहा कि समाज ने एकता का परिचय दिया है और निर्विरोध पदाधिकारी चुने हैं, जिससे हर समाज को एकता के साथ रहने का नया संदेश मिला। कोषाध्यक्ष मुकेश छपारिया ने बताया कि चुनाव कमेटी को चार नॉमिनेशन फार्म प्राप्त हुए, जिसमें राजेश वर्मा व दिनेश ने प्रधान पद, सचिव पद के लिए दीपक सोनी व कोषाध्यक्ष पद के लिए मुकेश छपारिया ने नॉमिनेशन फार्म भरा और इनके खिलाफ समाज के किसी भी सदस्य ने नॉमिनेशन नहीं भरा। श्रवर्णकार सभा के राजेश पुत्र आत्माराम को प्रधान, दीपक सोनी पुत्र सुरेंद्र सोनी को सचिव व मुकेश छपारिया पुत्र भीष्म छपारिया को सर्वसम्मति से कोषाध्यक्ष चुना गया और सभी पदाधिकारियों को सामूहिक शपथ दिलाई गई। चुनाव कमेटी में चेयरमैन सूबेदार धर्मपाल, महाबीर प्रसाद व सुभाष वर्मा आदि मौजूद रहे।